RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः93 , रविवार, 17 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

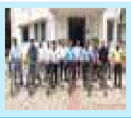
इंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश, साइकिल से कार्यालय पहुंचे कोषागार कर्मी... 03

नेपाल सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, सीमावर्ती नागरिकों को मिली राहत 04

श्रद्धा कपूर की बड़ी तैयारी फिल्म ईथा में 800 कलाकारों के साथ देंगी... 07

संक्षिप्त समाचार

ईरान पर अगले हफ्ते दोबारा हमले की तैयारी में अमेरिका

- 50 हजार सैनिक और युद्धपोत तैनात, ट्रम्प के फैसले का इंतजार

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका अगले हफ्ते ईरान पर दोबारा सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन ने हमले के कई विकल्प तैयार किए हैं और अब अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की योजना तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले के विकल्पों में ईरान के सैन्य और इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर बड़े हवाई हमले शामिल हैं। एक विकल्प अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन फोर्सेज को जमीन पर उतारकर इस्फहान परमाणु साइट में दबे परमाणु सामग्री यानी एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने का भी है। हालांकि अधिकारियों ने माना कि ऐसा ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा होगा और इसमें भारी सैन्य नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में 50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात रखे हैं। इसके अलावा दो एयरक्राफ्ट कैरियर, एक दर्जन से ज्यादा नेवी डेस्ट्रॉयर और बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी क्षेत्र में मौजूद हैं। करीब 5 हजार मरीन और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के 2 हजार पैराट्रूपर्स भी आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

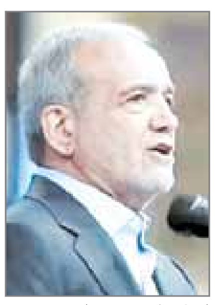

भीषण गर्मी, कम बारिश कहीं सूखा तो कहीं बाढ़

- भयानक अलनीनो आ गया! मई से फरवरी 2027 तक ढाएगा कहर...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह

सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61 थी, जो अब बढ़कर 82 फीसदी हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई, 2026 के आसपास जल्दी आगमन का आधिकारिक पूर्वानुमान लगाया है। यह सामान्य आगमन तिथि 1 जून से पहले है और 2025 सहित हाल के समय में मानसून के जल्दी आगमन की प्रवृत्ति को जारी रखता है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन के नवीनतम ईएनएसओ पूर्वानुमान के अनुसार, अलनीनो के जल्द ही विकसित होने और 2026-27 की उत्तरी गोलार्ध की सर्दियों तक जारी रहने की संभावना है।

यह बेहद संवेदनशील मामला, हमें बहुत चिंता है

- अरावली पहाड़ियों को लेकर बोले सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसे अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला में खनन को लेकर काफी चिंताजनक प्रतिक्रियाएं मिल रही है, जिसे देखते हुए वह फिलहाल खनन पट्टा धारकों के पक्ष में कोई आदेश पारित नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में विशेष पारिस्थितिकीय मुद्दे जुड़े हुए हैं और फरवरी में उसने पर्यावरण मंत्रालय तथा अन्य पक्षकारों से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला की परिभाषा तय करने के लिए एक समिति के वास्ते संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों के नाम सुझाने को कहा था। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामले का उल्लेख किए जाने पर कहा, हम इस मामले की टुकड़ों में सुनवाई नहीं करेंगे। जब तक हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाते, तब तक किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा और संबंधित मुद्दे शीर्षक से स्वतः संज्ञान लिया।

भूगोल और इतिहास का हिस्सा बने रहना चाहता है कि नहीं

- पाकिस्तान को इंडियन आर्मी चीफ जनरल द्विवेदी ने दे डाली चेतावनी

सेना प्रमुख ने कहा- पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना बंद करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि अगर पाकिस्तान लगातार आतंकवादियों को पनाह देता रहा और भारत के खिलाफ आतंकवाद जारी रखा, तो उन्हें खुद यह तय करना होगा कि वे आने वाले समय में भूगोल का हिस्सा बने रहना चाहते हैं या इतिहास का। दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सेना संवाद कार्यक्रम में फिर से ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां बनने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को भारत विरोधी आतंकवादियों को पनाह देना बंद करना होगा। इससे पहले 12 मई को विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन के पाकिस्तान को समर्थन देने पर कहा कि आतंकवाद की रक्षा करने वाले देशों को दुनिया देख रही है कि वे खुद को किसके साथ जोड़ रहे हैं। उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि ऐसे काम से उनकी प्रतिष्ठा पर क्या प्रभाव पड़ता है। मंगलवार को विदेश मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन रिपोर्ट्स का जिक्र हुआ, जिनमें चीन ने स्वीकार किया था कि उसने मई 2025 के सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी मदद दी थी।

आपरेशन सिंदूर सोची-समझी कार्रवाई

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए आतंकवादियों पर हमला करता है। पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए करारा जवाब दिया है। यह एक सोची-समझी कार्रवाई थी, जिसका मकसद पाकिस्तान की मदद से चल रहे आतंकी अड्डों को पूरी तरह खत्म करना था। हाल ही में 7 मई को भारत ने ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ मनाई है। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 भारतीय नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

पहले कोविड, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट

- पीएम मोदी बोले-ये आपदाओं का दशक, सामने है बड़ा खतरा
- भारत के चार बड़े लक्ष्य, पीएम ने कहा-हम बड़ा सपना देख रहे

हेग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीदरलैंड के हेग शहर में प्रवासी समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत के चार बड़े लक्ष्यों को लेकर बात की। साथ ही कहाकि भारत बड़े सपने देख रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने ओलंपिक होस्ट करने और भारत के ग्रोथ इंजन बनने समेत चार बड़े लक्ष्यों का ऐलान किया। उन्होंने कहाकि आज यहां जो माहौल है उसे देखकर लग रहा है कि द हेग लिविंग सिंबल ऑफ इंडियन फ्रेंडशिप बन गया है। ये दिखाता है कि पासपोर्ट का रंग बदल सकता है, एड्रेस भी बदल सकता है, टाइम जोन भी बदल सकता है लेकिन मां भारती की संतानें कहीं भी रहें ये गर्मजोशी, जिंदगी का जश्न माने का जज्बा हमेशा हमारे साथ रहता है।

यूपीआई ट्रांजेक्शंस की भी चर्चा

इस दौरान पीएम मोदी ने कहाकि आज भारत में हर महीने 20 बिलियन से ज्यादा यूपीआई ट्रांजेक्शन होते हैं। यानी पूरी दुनिया में हो रहे डिजिटल ट्रांजेक्शन में आधे से ज्यादा सिर्फ भारत में हो रहे हैं। उन्होंने कहाकि 12 साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, आज ये संख्या बढ़कर 2 लाख से भी ज्यादा हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि आप सबसे मुलाकात के बाद नीदरलैंड्स के राजा और रानी से मिलने का अवसर मिलेगा। इसके साथ राष्ट्रपति से भी विस्तार से कई विषयों पर चर्चा होगी। मेरी जब भी नीदरलैंड्स के नेताओं से बात हुई है ये भारतीय प्रवासी समुदाय की बहुत प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहाकि आप नीदरलैंड्स के समाज और यहां की अर्थव्यवस्था में जो योगदान दे रहे हैं उस पर हर भारतवासी को गर्व है। मैं आज इस अवसर पर नीदरलैंड्स की जनता का यहां की सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि पहले कोविड आया।

- **कई सभ्यताएं मिट गईं, लेकिन भारतीय संस्कृति नहीं**– इससे पहले लोगों की जोरदार तालियों और नारों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेग में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम के मंच पर पहुंचे। उन्होंने कहाकि कई सभ्यताएं मिट गईं, लेकिन भारत की विविध संस्कृति आज भी लोगों के दिलों में धड़कती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि आज से 12 वर्ष पहले 2014 में 16 मई 2014 कुछ खास हुआ था। 2014 में आज के ही दिन लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद

भोजशाला में हनुमान-चालीसा पाठ

मां वाग्देवी की पूजा हुई, श्रद्धालु बोले-सालों बाद बिना रोक-टोक दर्शन हो रहे

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को राजा भोज के समय का वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर माना है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष को यहां पूजा का अधिकार दे दिया है। फैसले के बाद शनिवार सुबह श्रद्धालुओं और अलग-अलग समितियों के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में भोजशाला पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने 7 अप्रैल 2003 के आदेश को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया है। इस आदेश में मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को तय अवधि के लिए नमाज की अनुमति दी गई थी।

- **पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना**– शनिवार सुबह सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच श्रद्धालु और भोज उत्सव समिति के पदाधिकारी परिसर पहुंचे। इनमें संरक्षक विश्वास पांडे, भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा, श्रीश दुबे, केशव शर्मा और अशोक जैन शामिल थे। सभी ने मां वाग्देवी के स्थान और यज्ञ कुंड के पास पुष्प अर्पित कर दंडवत प्रणाम किया।
- **श्रद्धालु बोले- भोजशाला मंदिर थी, है और रहेगी**– दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने कहा कि सालों बाद उन्हें बिना रोक-टोक पूजा करने का अवसर मिला है। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा, भोजशाला का कण-कण यह दर्शाता है कि यह एक मंदिर है। मुस्लिम पक्ष की आगे की कानूनी कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन भोजशाला मंदिर था, मंदिर है और मंदिर ही रहेगा।
- **सुप्रीम कोर्ट में 2 कैविएट याचिकाएं दायर**– मुस्लिम पक्ष के सुप्रीम कोर्ट जाने की संभावना को देखते हुए हिंदू पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय में 2 कैविएट याचिकाएं दायर की हैं। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने लंदन के एक संग्रहालय में रखी वाग्देवी की मूल मूर्ति वापस लाने की मांग पर भी विचार किया है। शनिवार को धार पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया। मार्च प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। एडिशनल एसपी विजय डावर ने बताया कि शहर में करीब 1000 पुलिस बल तैनात है। वहीं, भोजशाला परिसर में 100 से अधिक जवानों की तैनाती की गई है।

कोलकाता में सड़क पर नमाज को लेकर तनाव

- पुलिस ने खाली कराया इलाका, भारी बल तैनात

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के राजाबाजार इलाके में शुक्रवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ लोगों ने सड़क पर नमाज अदा करने की कोशिश की। हाल ही में सुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाई है। स्थिति तब बिगड़ गई जब सड़क खाली कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों ने इसका विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि यह पुरानी परंपरा है। जबकि प्रशासन का तर्क था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सार्वजनिक रास्तों को खाली रखना जरूरी है। बाद में पुलिस ने सड़क खाली करा दी और टैफिक को सामान्य कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है।

जांच: भारत में पहली बार पकड़ी गई 'जिहादी ड्रग'

इसे खाकर आतंकी बन जाते हैं 'लड़ाकू मशीन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट और टेरर फंडिंग के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने देश के इतिहास में पहली बार कैप्टागन नामक खतरनाक ड्रग की भारी खेप जब्त की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन रेजपिल के तहत 182 करोड़ रुपये की यह खेप पकड़ी गई है। इसे आतंकी नेटवर्क्स में जिहादी ड्रग के नाम से जाना जाता है। केंद्र की मोदी सरकार लंबे समय से नशामुक्त भारत अभियान चला रही है। इसी के तहत एनसीबी ने एक विशेष और गुप्त अभियान ऑपरेशन रेजपिल चलाया था। इस ऑपरेशन के तहत एजेंसियों ने 182 करोड़ रुपये मूल्य का सिंथेटिक ड्रग कैप्टागन जब्त किया है। भारत के भीतर इस विशिष्ट ड्रग की यह अब तक की पहली जब्ती है। खुफिया जानकारी के अनुसार, यह खेप भारत में खपत के लिए नहीं थी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर भारतीय क्षेत्र का इस्तेमाल एक ट्रांजिट रूट के तौर पर कर रहे थे। इस खेप को यहां से मध्य पूर्व के देशों में भेजा जाना था। इस मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। भारत को ट्रांजिट रूट बनाने वालों पर सख्ती होगी।

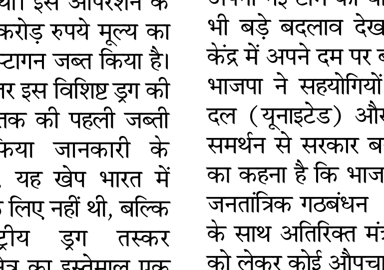

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर और केंद्र सरकार में एक बड़े फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, नए नियुक्त किए गए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा अपनी नई टीम की घोषणा के बाद सरकार में भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। केंद्र में अपने दम पर बहुमत से चूकने के बाद भाजपा ने सहयोगियों विशेष रूप से जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन से सरकार बनाई थी। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने अभी तक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अपने सहयोगी दलों के साथ अतिरिक्त मंत्री पदों की संभावनाओं को लेकर कोई औपचारिक चर्चा शुरू नहीं की है। 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के बाद से केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोई विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ है, इसलिए इस बार बड़े बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

छूटे राज्यों के नेताओं को मिल सकती है जगह

- **21 मई की बैठक ने बढ़ाई हलचल**– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 21 मई 2026 को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। हालांकि, एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतरालों पर होती रहती हैं। इस समय देश मध्य पूर्व के संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहा है, इसलिए ऐसी बैठक होना कोई असामान्य बात नहीं है। भाजपा नेताओं के अनुसार, इस संगठनात्मक बदलाव को आगामी चुनावी रणनीतियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी इसके जरिए 2027 के विधानसभा चुनावों, राष्ट्रपति चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनावों की नींव तैयार कर रही है।
- **वरिष्ठ नेताओं को मिल सकती है जिम्मेदारी**– संभावना है कि कुछ वरिष्ठ नेताओं, जो वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं या प्रदेश अध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों पर रहे हैं उन्हें संगठन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय टीम में लाया जा सकता है। अगले साल उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में चुनाव होने हैं, जिनके लिए मजबूत नेतृत्व और सटीक योजना की आवश्यकता है।
- **युवाओं और महिलाओं को मिलेगी तरजीह**– भाजपा 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में चुनावी मुकाबले का सामना करेगी। इनमें से पांच राज्यों में भाजपा पहले से ही सत्ता में है। वहीं पंजाब में, शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद, पार्टी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के खिलाफ सीधे मुकाबले की तैयारी कर रही है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया, केंद्रीय कैबिनेट और राष्ट्रीय टीम में उन पांच राज्यों के चेहरों को शामिल किया जा सकता है जहां अभी चुनाव संपन्न हुए हैं, साथ ही आगामी चुनावी राज्यों को भी प्रतिनिधित्व मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में समाहरणालय की पार्किंग रही खाली

हाजीपुर। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'नो व्हीकल डे' के आह्वान का असर शनिवार को वैशाली में दिखा। जिलाधिकारी वर्षा सिंह समेत कई अधिकारी पैदल और ई-रिक्शा से अपने कार्यालय पहुंचे। समाहरणालय परिसर में वाहन पार्किंग स्थल खाली रहा। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने वैशाली जिला वासियों से अपील की कि वे सरकार के इस आह्वान का पालन करें। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन ई-रिक्शा, पैदल या साइकिल से कार्यालय आएं। मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि ईंधन का कम से कम उपयोग किया जाए और सप्ताह में एक दिन 'नो फ्यूल डे' मनाया जाए। जिलाधिकारी स्वयं अपने आवास से त्रिमूर्ति चौक तक ई-रिक्शा से आईं और वहां से गांधी चौक होते हुए अधिकारियों के साथ पैदल कार्यालय पहुंचीं। यह निर्णय मध्य-पूर्व क्षेत्र में उत्पन्न भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण लिया गया है। इन परिस्थितियों के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डीजल-पेट्रोल की बचत के लिए वाहनों का कम उपयोग करने और सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री की अपील के बाद शनिवार को जिलाधिकारी वर्षा सिंह के साथ एडीएम संजय कुमार, डीडीसी कुंदन कुमार और एसडीओ राम बाबू बैठा सहित कई अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी ई-रिक्शा, साइकिल या पैदल कार्यालय पहुंचे। अधिकारियों और कर्मचारियों के वाहन न होने के कारण समाहरणालय परिसर का पार्किंग स्थल पूरी तरह खाली रहा। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को सभी अधिकारी और कर्मचारी ईंधन की बचत करते हुए कार्यालय आएंगे। उन्होंने कारपूलिंग और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को भी बढ़ावा देने की बात कही। डीएम ने आम लोगों से भी ईंधन का कम इस्तेमाल करने, पीएम सूर्य योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने और पीएनजी गैस कनेक्शन व स्वच्छ ऊर्जा संसाधनों को अपनाने की अपील की।

वैशाली में सड़क पर शव रखकर हंगामा, हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

हाजीपुर। वैशाली जिले में लालगंज-हाजीपुर मुख्यमार्ग पर नामीडीह के पास आज सुबह यातायात बाधित हो गया। यह अवरोध एक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान हुई मौत के विरोध में किया गया। जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना 15 मई 2026 को इसी मुख्यमार्ग पर नामीडीह के पास हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया, जिसके कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। मृतक की पहचान अमरजीत साह (35) के रूप में हुई है, जो लालगंज थाना क्षेत्र के बलुआ बसंता गांव निवासी रामप्रवेश साह के पुत्र थे। दुर्घटनास्थल काजीपुर थाथन थाना क्षेत्र के दौलतपुर चांदी में था। अमरजीत अपने पांच भाई-बहनों में तीसरे स्थान पर थे और उनके दो बेटे तथा एक बेटी है। मृतक के परिजन विक्रम कुमार ने बताया कि अमरजीत साह हलवाई का काम करते थे। हाजीपुर से काम कर लौटने के दौरान काजीपुर में एक सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई थी। परिजनों को पुलिस द्वारा मौत की सूचना दी गई। आक्रोशित परिजनों ने तेज रफ्तार हाईवा चालकों को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर हाईवा तेज गति से चलते हैं, जिससे लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

मिड-डे मील में बदबूदार अंडा मिलने पर हंगामा छात्रों, परिजन ने एनजीओ के खाने का विरोध किया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड स्थित राष्ट्रीयकृत उच्च माध्यमिक विद्यालय मुरौल में मिड डे मील को लेकर शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। विद्यालय में बच्चों के लिए भेजे गए भोजन और अंडे में बदबू आने की शिकायत पर ग्रामीण, अभिभावक और रसोइया आक्रोशित हो गए। विरोध के बाद बच्चों के बीच भोजन वितरण रोक दिया गया। ग्रामीणों ने एनजीओ के माध्यम से भेजे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए व्यवस्था बदलने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि शुक्रवार को मिड डे मील में जो अंडे भेजे गए थे, उनमें से तेज बदबू आ रही थी। इसके बाद अभिभावकों और

स्थानीय लोगों ने बच्चों को वह भोजन खिलाने से इनकार कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि एनजीओ के जरिए भेजे जाने वाले खाने की गुणवत्ता अक्सर खराब रहती है और बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ग्रामीण ममता कुमारी ने कहा कि बच्चों को स्कूल में अच्छी पढ़ाई और सुरक्षित भोजन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर मिड डे मील स्कूल की स्थानीय रसोइयों द्वारा बनाया जाए तो खाना ताजा और बेहतर रहेगा। उन्होंने बताया कि कई बार खाने को लेकर शिकायतें मिली हैं और इस बार अंडे में से बदबू आ रही थी। उन्होंने साफ कहा कि जरूरत पड़ी तो वे अपने बच्चों को घर से टिफिन देकर भेजेंगी, लेकिन खराब खाना नहीं खाने देंगी। वहीं ग्रामीण प्यारेलाल ने भी कहा कि बच्चों की ओर से अक्सर खाने की शिकायत की जाती है। उन्होंने मांग की कि या तो स्कूल की रसोइया द्वारा भोजन बनाया जाए या फिर ऐसी व्यवस्था बंद की जाए। विद्यालय में भोजन परोसने वाली रसोइयों ने भी एनजीओ के खाने का विरोध किया। उनका कहना था कि कई बार खाना ठंडा और बदबूदार अवस्था में पहुंचता है। रसोइयों ने बताया कि वे केवल भोजन परोसती हैं, लेकिन खाने की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रहती हैं। पूरे मामले पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश ने बताया कि एनजीओ द्वारा भेजे जा रहे भोजन को लेकर पहले भी शिकायतें मिली हैं। शुक्रवार को अंडे में बदबू आने की शिकायत सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एनजीओ से बात की जाएगी और मामले को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा।

शादी के 16वें दिन कैश-ज्वेलरी लेकर दुल्हन फरार, दूल्हा बोला- साथ सोई थी, सुबह नींद खुली तो गायब मिली

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शादी के 16 दिन बाद दुल्हन कैश और गहने लेकर फरार हो गई। घटना मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के लोमा गांव (वार्ड संख्या 1) की है। लोमा गांव के रामबाबू मांझी के बेटे धर्मेंद्र कुमार की शादी 25 अप्रैल को पियर थाना क्षेत्र की एक लड़की से हुई थी। परिजनों ने बताया कि शादी के बाद सब कुछ सामान्य चल रहा था। शादी के 16वें दिन, जब धर्मेंद्र और उसके परिजन सो रहे थे, दुल्हन ने घर के बक्से और अलमारी में रखे 72 हजार रुपए नकद और लाखों के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गई। सुबह जब धर्मेंद्र की नींद खुली, तो उसने अपनी पत्नी को बिस्तर पर नहीं पाया। शुरुआती खोजबीन के बाद जब वह कहीं नहीं मिली, तो परिजनों को चिंता हुई। आसपास और रिश्तेदारों में तलाश की गई, लेकिन दुल्हन का कोई सुराग नहीं मिल सका। शक होने पर जब घर के कीमती सामानों की जांच की गई, तो परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। घर से न केवल नकदी गायब थी, बल्कि शादी के गहने भी गायब थे। तब जाकर धर्मेंद्र और उसके पिता को एहसास हुआ कि वे एक सोची-समझी साजिश का शिकार हुए हैं और उनकी बहू असल में एक लुटेरी दुल्हन है। पीड़ित पति धर्मेंद्र कुमार ने इस मामले को लेकर गायघाट थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। हालांकि, पुलिस के बयान में थोड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है।

गायघाट थानाध्यक्ष के अनुसार, मामला मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया है। फिलहाल थाने में पीड़ित पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। जैसे ही आवेदन मिलता है, पुलिस मामले की छानबीन कर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी। इस घटना के बाद लोमा गांव में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग हैरान हैं कि महज 16 दिनों में कोई इस तरह की वारदात को कैसे अंजाम दे सकता है। फिलहाल, पीड़ित परिवार सदमे में है और पुलिस के पास गुहार लगा रहा है कि उनकी गाढ़ी कमाई और जेवरात वापस मिल जाएं। यह घटना उन लोगों के लिए एक चेतावनी भी है जो बिना पूरी छानबीन के शादियां तय कर लेते हैं। लुटेरी दुल्हन गैंग मुख्य रूप से शादी के नाम पर ठगी और चोरी करने का एक संगठित गिरोह है, जो भोले-भाले पुरुषों और उनके परिवारों को अपना शिकार बनाता है। ये गिरोह एक सोची-समझी योजना के तहत काम करता है।

बेउर जेल से रची गई कारोबारी की हत्या की साजिश, शूटर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना सिटी में गुरुवार देर शाम ब्लैक आउट के दौरान मसाला व्यवसायी पिंटू कुमार (25) की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पटना पुलिस ने एक नाबालिग शूटर को गिरफ्तार किया है, जिसकी उम्र 16 साल है। शूटर को पिंटू कुमार की हत्या करने के लिए 10 हजार रुपए एडवांस मिले थे। घटना सुलतानगंज थाना क्षेत्र के मुसल्लहपुर हाट में हुई थी। पूर्वी SP परिचय कुमार ने बताया कि पिंटू की हत्या पहले के विवाद से जुड़ा है। बेउर जेल में बंद अपराधियों ने हत्या की साजिश रची थी। शूटर ने 15 दिन रेकी करने के लिए दुकान के सामने लेबर का काम किया और ब्लैक आउट के समय मौका मिलते ही गोली मार दी।

शराब के अवैध कारोबार से जुड़ा था पिंटू: पूर्वी SP परिचय कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ब्लैक आउट के चलते ये केस पूरी तरह से ब्लाइंड था। क्लोज रेंज से गोली मारकर मसाला व्यापारी पिंटू की हत्या कर दी गई थी। इस घटना में शामिल एक नाबालिग को पकड़ा है। यह मामला पहले की एक घटना से लिंक्ड है। पिंटू मसाला के अलावा शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त था। बिका ऊर्फ विकास ने बेऊर जेल से पिंटू की हत्या की साजिश रची थी। पिंटू संजय गोप को शराब के रुपए पहुंचा रहा था, जिसके कारण बिका ऊर्फ विकास नाराज था।

15 दिनों से रेकी कर रहा था नाबालिग: पूर्वी SP परिचय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार नाबालिग पिछले 15 दिनों से रेकी कर रहा था। घटना को अंजाम देने के लिए नाबालिग ने पिंटू की दुकान के सामने लेबर का काम कर रहा था। मौके की तलाश में था। नाबालिग को बिका ऊर्फ विकास के कहने पर स्काई शिवम नाम के आरोपी ने उपलब्ध कराया था, जो सोनू हत्याकांड में फरार है। फिलहाल इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। इस घटना में 3 आरोपी की संलिप्तता सामने आई है। 26 फरवरी

♦ **10 हजार रुपए एडवांस दिए, पटना में ब्लैक आउट में साइलेंसर लगे पिस्टल से मारी गोली**

को बिका ऊर्फ विकास सोनू हत्याकांड में पकड़ा गया था। हत्याकांड से पहले विकास शराब के अवैध कारोबार में शामिल था। इनके लिए पिंटू काम किया करता था। लेकिन इनके जेल जाने के बाद संजय गोप के साथ काम करना शुरू कर दिया था। पटना में युद्ध की मॉक ड्रिल को लेकर गुरुवार शाम के ठीक 7 बजे बिजली कट गई थी। पूरे हाट में अंधेरा हुई छा गया था। सभी कारोबारियों को पता था कि बिजली 15 मिनट के बाद आ जाएगी। इसलिए किसी ने भी जेनरेटर चालू नहीं किया। पिंटू कुमार गुरुवार शाम को अपनी टी मसाले की गद्दी पर बैठे थे। हत्यारे पहले से गद्दी के पास मौजूद थे। वे बस ब्लैक आउट का इंतजार कर रहे थे। ब्लैक आउट होते ही अंधेरे में दो अपराधी उनकी गद्दी तक पहुंचे। उन्होंने पिंटू के सिर में पिस्टल सटाकर गोली दाग दी। पिस्टल में साइलेंसर लगे होने के कारण गोली चलने की आवाज बिल्कुल नहीं आई। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी अंधेरे में पैदल ही भाग निकले।

विराट रामायण मंदिर में नंदी की प्रतिमा होगी स्थापित

एजेंसी, पटना

विराट रामायण मंदिर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग के पास साल के अंत तक नंदी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। मंदिर में ग्राउंड लेवल तक काम पूरा हो गया है। अरघा भी इसी साल बनकर तैयार हो जाएगा। अब नंदी का निर्माण कराने के लिए आयोध्या में रामलला की मूर्ति बनाने वाले कलाकार अरूण योगीराज से संपर्क किया गया है। एक सप्ताह के अंदर अरूण योगीराज विराट रामायण मंदिर का दौरा कर सकते हैं।

सावन में रूद्राभिषेक की होगी व्यवस्था: इस बार यहां सावन में रूद्राभिषेक की भी व्यवस्था होगी। विराट रामायण मंदिर में रूद्राभिषेक के लिए पहले से बुकिंग करानी होगी। बुकिंग के अनुसार ही रूद्राभिषेक के लिए समय का स्लॉट मिलेगा। महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा है। मंदिर का निर्माण करने वाली एजेंसी को कुल 46315.73 क्यूबिक मीटर निर्माण करना है, जिसमें अप्रैल 2026 तक 14135.10 क्यूबिक मीटर ही निर्माण कार्य हुआ है। अगर निर्माण एजेंसी द्वारा काम में तेजी नहीं

❐ **दिसंबर तक स्थापना की तैयारी, मूर्तिकार अरूण योगीराज करेंगे दौरा, सावन में शुरू होगा रुद्राभिषेक**

लाई गई तो काम के लिए किसी और एजेंसी की भी मदद ली जा सकती है। मंदिर के बाऊंड्री के निर्माण कार्य के लिए टेंडर दिया जा चुका है। विराट रामायण मंदिर पद्मश्री आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। श्री महावीर स्थान न्यास समिति द्वारा जानकीनगर (कैथवलिया) में 120 एकड़ में निर्माण हो रहा है। मंदिर परिसर में 18 शिखर और 22 मंदिर का निर्माण होगा। इसके साथ ही यहां एक साथ 20 हजार भक्तों के बड़े हॉल में बैठने की व्यवस्था होगी। पटना से विराट रामायण दूरी 120 किलोमीटर है।

एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के ठिकानों से 48 लाख मिले

एजेंसी, पटना

बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के घर शनिवार को आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने रेड की। पटना और जमुई के 4 ठिकानों पर ये छापेमारी हुई। पटना की मजिस्ट्रेट कॉलोनी के जगत विला अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर F-2 से 40 लाख रुपए कैश मिले हैं। ये कैश डिजिटल लॉकर में रखे गए थे। 60 लाख के आभूषण बरामद किए गए हैं। इसके अलावा जमीन संबंधित कई लैंड डीड्स और निवेश के कागजात और बैंक अकाउंट्स की जानकारी EOU को मिली है।

सुबह करीब साढ़े 8 बजे EOU के अधिकारी कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। जमुई में करीब 7 घंटे उनके आवास और ऑफिस को खंगाला गया। जमुई में रेड के दौरान 8 लाख कैश मिले हैं। साथ ही LIC

♦ **पटना में 40 लाख कैश-60 लाख की ज्वेलरी मिली**

में निवेश के कुछ पेपर मिले हैं। हालांकि, इंजीनियर गोपाल कुमार का कहना है कि बरामद कैश का उनके पास हिसाब है। गोपाल कुमार जमुई के झाझा में ग्रामीण कार्य विभाग में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हैं। EOU ने गोपाल कुमार पर आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया था। वारंट के बाद ये एक्शन लिया गया है।

बिहार स्टेट ओपन ई-स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का ग्रैंड फिनाले, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह रहेंगी मौजूद

एजेंसी, पटना

बिहार स्टेट ओपन ई-स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आज ग्रैंड फिनाले है। पटना में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह आज विजेताओं को सम्मानित करेंगी। यह ई-स्पोर्ट्स का तीसरा संस्करण है, जिसका पूल प्राइज 5.75 लाख रुपए रखा गया है। इस ई-स्पोर्ट्स में पांच तरह के गेम में प्रतिभागी हिस्सा लिए हैं, जिसमें Chess.com, ई-फुटबॉल, EA FC- 26, BGMI और स्ट्रीट फाइटर- 6 जैसे गेम शामिल हैं। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के इंडोर स्टेडियम में ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जाएगा।

2182 प्रतिभागियों ने चैंपियनशिप के लिए किया रजिस्टर: इस प्रतियोगिता में कुल 2182 प्रतिभागियों ने रजिस्टर किया है। Chess.com में सबसे ज्यादा

1151 खिलाड़ी, ई-फुटबॉल में 223, EA FC- 26 में 223, स्ट्रीट फाइटर- 6 में 35 और BGMI में 611 लोगों ने हिस्सा लिया है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु सीमा निर्धारित की गई है। इसमें Chess.com, ई-फुटबॉल, EA FC- 26 के लिए 12 वर्ष से अधिक, BGMI और स्ट्रीट फाइटर- 6 के लिए 16 वर्ष के ऊपर की आयु निर्धारित की गई है।

क्या होता है ई-स्पोर्टस?: ई-स्पोर्ट्स यानी इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स है। यह सिर्फ समय बिताने के लिए खेला जाने वाला वीडियो गेम नहीं है, बल्कि एक मानसिक और तकनीकी खेल है। जैसे क्रिकेट या फुटबॉल में शारीरिक क्षमता की जरूरत होती है, वैसे ही ई-स्पोर्ट्स में एकाग्रता, क्विक रिफ्लेक्सेस और टीम रणनीति

❐ **Chess.Com, ई-फुटबॉल-BGMI गेम के लिए 2182 खिलाड़ियों ने किया रजिस्टर**

की आवश्यकता होती है। इसे अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति तक मान्यता मिल चुकी है। इस तरह ई-स्पोर्ट्स युवाओं के लिए एक कॅरियर विकल्प बन चुका है।

क्या हैं ई-स्पोर्ट्स के फायदे?: ई-स्पोटर्स के कई फायदे होते हैं। इसमें अपनी पकड़ मजबूत बनाने से ऑनलाइन दुनियाभर के लोग एक प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। वैश्विक तौर पर आपको इसमें अपना करियर बनाने का लोगों को मौका मिलता है। इसमें खिलाड़ियों को आर्थिक तौर पर भी लाभ मिलता है। फिलहाल, इसमें नौकरी के भी अवसरों में काफी इजाफा हुआ है।

राजगीर में मलमास मेला की शुरुआत आज से

1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले जर्मन हैंगर तैयार, 10 मिनी राजवाड़ी टेंट बनाए गए

एजेंसी, पटना

रविवार से मलमास मेला की शुरुआत हो रही है। इसका आयोजन 15 जून तक नालंदा के राजगीर में होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग की ओर से सारी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। राजगीर स्टेट गेस्ट हाउस के पास 2000 व्यक्तियों और राजगीर रेलवे स्टेशन परिसर, ब्रह्मकुंड के निकट और मेला थाना के पास 1000-1000 व्यक्तियों की आवासन क्षमता वाले जर्मन हैंगर पंडाल बनाए गए हैं। इन स्थलों पर चेंजिंग रूम, स्नानघर, पुरुष और महिला शौचालय, पेयजल, कंट्रोल रूम, सीसीटीवी कैमरा, हेल्थ कैंप तथा सस्ती रोटी काउंटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

10 मिनी राजवाड़ी टेंट बनाए गए: पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि,

'10 मिनी राजवाड़ी टेंट, विभिन्न स्थलों पर जर्मन यात्री शेड तथा वाटरप्रूफ पंडाल की भी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं और आगंतुकों के वाहनों के लिए पीएचईडी कैम्पस, विश्वशांति स्तूप के निकट, किला मैदान, आरडीएच हाई स्कूल मैदान, पीटीजेएम कॉलेज, हॉकी मैदान, सोन भंडार, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गौरक्षणी तथा मेयार बाईपास सहित अनेक पार्किंग स्थलों को चिन्हित किया गया है।'

पर्यटक गाइड की भी मिलेगी सुविधा: मेला क्षेत्र में सुरक्षा, चिकित्सा, अग्निशमन, प्रशासनिक सहायता तथा पर्यटक सूचना केंद्र में पर्यटक गाइड की उपलब्धता के साथ समुचित समन्वय स्थापित किया गया है। आपातकालीन सहायता के लिए 24x7 हेल्पलाइन 112 के साथ-साथ जिला पदाधिकारी, आरक्षी अधीक्षक, मेला नियंत्रण कक्ष, सिविल सर्जन, अग्निशमन पदाधिकारी, अनुमंडल प्रशासन, यातायात पुलिस, नगर परिषद्, थाना तथा पर्यटक सूचना केन्द्र के संपर्क नंबर भी जारी किए गए हैं।

पूरे महीने राजगीर में प्रवास करते हैं श्रद्धालु: श्रद्धालु पूरे महीने राजगीर में प्रवास करते हैं और यहां अवस्थित 22 कुण्डों और 52 धाराओं में स्नान, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। मलमास मेला का शुभारंभ 17 मई 2026 को ध्वजारोहण, देवी-देवताओं के आवाहन और पूजन के साथ होगा। मेला अवधि के दौरान 21 मई को पंचमी स्नान, 27 मई को प्रथम शाही स्नान, 31 मई को द्वितीय शाही स्नान, 5 जून को पंचमी स्नान, 11 जून को तृतीय शाही स्नान तथा 15 जून 2026 को अमावस्या स्नान एवं विसर्जन का आयोजन निर्धारित है।

किशनगंज में 4 पेट्रोल पंप बंद, बंगाल जा रहे लोग

एजेंसी, पटना

अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग के बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ा दी गई है। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। 15 मई से नए दाम लागू हो गए हैं। बिहार में अब पेट्रोल की कीमत पटना में 108.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। गुरुवार तक पटना में पेट्रोल की कीमत 105.37 रुपए प्रति लीटर थी।

वहीं डीजल के दाम भी बढ़े हैं अब पटना में डीजल की कीमत 94.65 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जबकि कल तक डीजल की कीमत 91.65 रुपए प्रति लीटर थी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में CNG भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। किशनगंज में 4 पेट्रोल पंप बंद हो गए हैं। इससे लोग बंगाल जाकर

❐ **पेट्रोल-डीजल के दाम 3 रुपए/लीटर बढ़ने से और हो रही परेशानी**

गाड़ियों में तेल भरवा रहे हैं। इधर, गयाजी में पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ देखी गई। यहां पेट्रोल-डीजल लेने वाले वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस तैनात की गई थी।

वट सावित्री पूजा करने आई सास-बहू से चेन स्नेचिंग

एजेंसी, पटना

पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना से महज कुछ कदम की दूरी पर चेन स्नेचिंग की बड़ी वारदात सामने आई है। घटना में दो महिलाओं के गले से सोने के जेवर गायब कर दिए गए। घटना उस समय हुई जब दोनों वट सावित्री पूजा करने के लिए थाना परिसर से सटे वट वृक्ष के पास पहुंची थीं। दोनों महिलाएं रिश्ते में सास-बहू हैं और पटना के मंदिरी इलाके की रहने वाली हैं। पीड़ित महिला सरोज मिश्रा ने बताया कि, 'आज वट सावित्री पूजा के लिए घर से हम सास-बहू थाना से सटे वट वृक्ष के पास कॉर्नर पर आई थीं। वहां पर पहले से एक महिला खड़ी थी, जिसे साइड में हटने के लिए कहा। फिर मैं और मेरी बहू बैठकर पूजा करने लगीं। पूजा कर उठे तो गले से चेन गायब थी। पहले लगा कि पास में चेन गिरी होगी, लेकिन खोजने के बाद चेन

❐ **बुद्धा कॉलोनी थाना के पास हुई घटना, 15-20 लाख कीमत, पुलिस पर लापरवाही के आरोप**

नहीं मिली। फिर मैं दौड़कर पास के बुद्धा कॉलोनी थाने पर गई।' सरोज मिश्रा ने आरोप लगाया कि, 'ड्यूटी में मौजूद पदाधिकारियों से घटना के बारे में बताई, लेकिन क्विक रिस्पांस नहीं मिला। पुलिसकर्मिों ने थाने के बगल में जाकर देखने में घंटों का वक्त लगा दिया। पुलिसकर्मी जब घटनास्थल तक पहुंची, तब तक काफी देर हो चुकी थी।'

अखंड सुहाग के लिए महिलाएं कर रहीं वट सावित्री व्रत

एजेंसी, पटना

अखंड सुहाग की कामना से सुहागिन महिलाएं आज वट सावित्री का व्रत कर रही हैं। आज भरणी और कृत्तिका नक्षत्र का युग्म संयोग के साथ सौभाग्य योग बन रहा है। वट सावित्री की पूजा को लेकर पटना की व्रती महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आज पटना सिटी के कदम घाट में अहले सुबह से महिलाएं व्रत का संकल्प लेकर पूजा की थाल सजाकर वट वृक्षों के पास एकत्रित हो रही हैं। यहां विधि विधान के साथ पूजा कर वट वृक्ष की परिक्रमा कर रही हैं। इसके बाद नियम के मुताबिक पौराणिक कथा का श्रवण कर रही हैं। आज शनिवार को अमावस्या होने से शनैश्चरी अमावस्या का पुण्यकारी संयोग बन रहा है। वट वृक्ष में ब्रह्मा, शिव, विष्णु व देवी सावित्री विराजमान रहती है।

सुहागिनों को अखंड सुहाग का मिलता है आशीर्वाद - ज्योतिषाचार्य: ज्योतिषाचार्य राकेश झा ने बताया कि, 'स्कन्द पुराण के अनुसार वट सावित्री का व्रत, पूजा और परिक्रमा के बाद भक्तिपूर्वक सत्यवान-सावित्री की कथा

सुनने से सुहागिनों को अखंड सुहाग, पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, वंश वृद्धि, दांपत्य जीवन में सुख-शांति तथा वैवाहिक जीवन में आने वाले कष्ट दूर होते हैं। वट की पूजनोपरांत अन्न, वस्त्र, ऋतुफल, मिष्ठान आदि का दान करने से सुख-समृद्धि, पारिवारिक शांति, गृहक्लेश तथा अदृश्य बाधाएं दूर होती हैं। ज्येष्ठ अमावस्या पर गंगा या तीर्थ में स्नान करने से सहस्त्र गौदान व कोटि सुवर्ण दान के समान पुण्य फल मिलता हैं।'

पूजा के बाद बांस के पंखे से हवा देंगी व्रती: वट सावित्री की पूजा के बाद महिलाएं बरगद के पेड़ को बांस के पंखा से हवा देंगी।

♦ **पटना सिटी के कदम घाट पर उमड़ी महिलाओं की भीड़, विधि-विधान से कर रहीं पूजा**

फिर अपने पति को भी इसी पंखा से हवा देंगी। शास्त्रों में इसका दो महत्व बताया गया है। पहला- बांस का संबंध वंश से होता है। शादी-विवाह में भी बांस की पूजा होती है। बांस के पौधे जैसे एक से दो, दो से तीन होते हुए एक पूरा समूह बना लेते है। उसी प्रकार हमारा वंश भी वृद्धि होता रहे। दूसरा - मान्यता है कि आज के दिन पति को श्रद्धा भाव से हवा देने पर पुरे गर्मी उनको सूर्य की ताप से रक्षा होती है।

भविष्य पुराण के अनुसार, यमराज ने चने के रूप में ही सत्यवान के प्राण सावित्री को वापस दिए थे। सावित्री चने को लेकर सत्यवान के शव के पास आईं और चने को सत्यवान के मुख में रख दिया, इससे सत्यवान पुनः जीवित हो गए थे। चना के प्राणदायक महत्व होने के कारण इसे वट सावित्री की पूजा में अंकुरित चना अर्पण किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

जिला नियोजनालय में 19 मई को लगेगा जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन शिविर

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला नियोजनालय परिसर में 19 मई 2026 को प्रातः 11 बजे एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में भारत फाइनेंस इंक्लूजन लिमिटेड द्वारा अभ्यर्थियों का चयन संगम मैनेजर एवं फील्ड ऑफिसर पदों के लिए किया जाएगा। जॉब कैंप में कुल 150 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं एवं 12वीं पास निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 32 वर्ष रखी गई है। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति पूर्वी चंपारण सहित बिहार के विभिन्न जिलों में की जाएगी। कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार रुपये सीटीसी मानदेय के साथ आवास, इंसेंटिव, पीएफ, मेडिकल एवं फ्यूल जैसी अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला नियोजनालय की ओर से इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे अपने रिज्यूम/बायोडाटा, मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर जिला नियोजनालय परिसर में उपस्थित हों।

पताही प्रखंड में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया वट सावित्री पूजा का पर्व

बीएनएम @ पताही। पताही प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को वट सावित्री पूजा का पर्व श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न गांवों, मंदिरों एवं पूजा स्थलों पर सुबह से ही सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर विधि-विधान के साथ वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की तथा अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर भगवान विष्णु, माता सावित्री एवं वट वृक्ष की पूजा करती हैं। पताही प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत बांधकर परिक्रमा की और सावित्री-सत्यवान की कथा का श्रवण किया। पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूजा को लेकर बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। फल, फूल, पूजा सामग्री, मिठाई और श्रृंगार की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ लगी रही। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार महिलाओं में पर्व को लेकर काफी उत्साह था तथा देर शाम तक खरीदारी जारी रही। पूजा में शामिल नीतू कुमारी ने बताया कि वट सावित्री पूजा महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा कि यह व्रत पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि एवं वैवाहिक जीवन में खुशहाली के लिए रखा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर सामाजिक एकता एवं पारंपरिक संस्कृति का परिचय दिया। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन एवं धार्मिक गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बच्चों एवं युवाओं में भी पर्व को लेकर उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि वट सावित्री पूजा भारतीय संस्कृति और वैवाहिक परंपराओं का प्रतीक पर्व है, जिसे महिलाएं अखंड सौभाग्य एवं पति की लंबी उम्र की कामना के लिए श्रद्धापूर्वक मनाती हैं। पूरे प्रखंड क्षेत्र में दिनभर धार्मिक एवं भक्तिमय माहौल बना रहा।

तुरकौलिया में शराब पीकर उत्पात मचाने के आरोप में तीन गिरफ्तार, भेजे गए जेल

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में शराब के नशे में हंगामा, गाली-गलौज और मारपीट करने के तीन अलग-अलग मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में सेमरा टोला निवासी नरेश साह, शंकर सरैया निवासी राकेश उर्फ साहेब कुमार तथा बेलवाराय खास निवासी सोबराती मियां शामिल हैं। पहला मामला सेमरा टोला का है। पीड़िता सुनीता देवी ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि उसका पति नरेश साह शराब के नशे में घर पहुंचा और घर में जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि उसने घर का सामान तोड़फोड़ कर फेंक दिया तथा पत्नी के साथ मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया। बाद में दोबारा शराब पीकर लौटने के बाद उसने पत्नी और बच्चों के साथ भी मारपीट की। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने घर में रखा अनाज बर्बाद कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। दूसरा मामला शंकर सरैया गांव का है, जहां प्रदीप कुमार ने अपने पुत्र राकेश उर्फ साहेब कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार आरोपी शराब के नशे में गांव में गाली-गलौज और हंगामा कर रहा था। विरोध करने पर उसने मारपीट शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ने पर डायल 112 पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। तीसरा मामला बेलवाराय खास गांव का है। साहेब मियां ने आरोप लगाया कि वे अपने दरवाजे पर बैठे थे, तभी सोबराती मियां वहां पहुंचकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने मारपीट शुरू कर दी। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि तीनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा दो अन्य मामलों में भी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को हत्या के प्रयास तथा दूसरे को कोर्ट वारंट के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

नल-जल योजना के ठेकेदार से पांच लाख की रंगदारी मांगने का आरोप, एफआईआर दर्ज

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में सरकारी नल-जल योजना के कार्य के दौरान रंगदारी मांगने और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि रंगदारी नहीं देने पर ठेकेदार, मुंशी, मिस्त्री और मजदूरों के साथ मारपीट कर उन्हें कार्यस्थल से भगा दिया गया। मामले को लेकर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के वार्ड संख्या-2 स्थित मठवा गांव की बताई जा रही है। पीड़ित ठेकेदार राजीव कुमार यादव, निवासी भगवानपुर, जिला सीतामढ़ी ने तुरकौलिया थाना में आवेदन देकर बताया है कि उन्हें सरकार की नल-जल योजना के तहत कार्य करने का टेंडर मिला है और वे मठवा गांव में निर्माण कार्य करा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के कुछ लोग कार्यस्थल पर पहुंचे और काम रोकने लगे। ठेकेदार के अनुसार मठवा गांव निवासी रामचंद्र सिंह, संजय सिंह, गुड्डू सिंह एवं अनीश कुमार उर्फ अजीत सिंह ने उनसे पूछा कि बिना उनकी अनुमति के काम कैसे शुरू किया गया। इसके बाद आरोपियों ने कथित रूप से जबरन कार्यस्थल से एक लोहे का चैनल उठा लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने ठेकेदार के साथ मारपीट की। ठेकेदार ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनके पॉकेट से 25 हजार रुपये नकद एवं गले से करीब ढाई लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन छीन ली। साथ ही वहां मौजूद मुंशी, मिस्त्री और मजदूरों को भी पीटकर भगा दिया गया, जिससे नल-जल योजना का कार्य बाधित हो गया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने धमकी दी कि यदि इस क्षेत्र में काम करना है तो पांच लाख रुपये रंगदारी देनी होगी, अन्यथा दोबारा काम करने पर जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद ठेकेदार एवं मजदूरों में दहशत का माहौल है। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि ठेकेदार के आवेदन पर नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्य में बाधा डालने और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश, साइकिल से कार्यालय पहुंचे कोषागार कर्मी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बढ़ती ईंधन खपत और पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए जिला कोषागार कार्यालय एवं भविष्य निधि कार्यालय के पदाधिकारियों और कर्मियों ने एक सराहनीय पहल की है। शुक्रवार को कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने आवास से साइकिल चलाकर कार्यालय पहुंचे। इस पहल का उद्देश्य इंधन की बचत के साथ-साथ आम लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। साइकिल से कार्यालय पहुंचने वालों में वरीय कोषागार पदाधिकारी विजय कुमार, सहायक कोषागार पदाधिकारी शीतेश कुमार, सहायक कोषागार पदाधिकारी धनंजय कुमार तथा सहायक जिला लेखा पदाधिकारी श्याम कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल रहे। कार्यालय परिसर में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस पहल को सकारात्मक कदम बताते हुए भविष्य में भी इसे जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर वरीय कोषागार पदाधिकारी विजय कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती खपत न केवल आर्थिक बोझ बढ़ा रही है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है। ऐसे में छोटी-छोटी पहल के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्यालय के कर्मियों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है कि सप्ताह में कम से कम दो दिन साइकिल अथवा पैदल चलकर कार्यालय आएंगे। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से साइकिल चलाने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है, शरीर सक्रिय रहता है तथा प्रदूषण पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है। अधिकारियों ने लोगों से भी अपील की कि वे छोटी दूरी तय करने के लिए साइकिल या पैदल चलने को प्राथमिकता दें, ताकि इंधन की बचत के साथ पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सके।

मायके आई नवविवाहिता की गला दबाकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम @ मोतिहारी/केसरिया

मोतिहारी/केसरिया। बिजधरी थाना क्षेत्र के बथना पांडेय टोला वार्ड संख्या-7 में मायके आई एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान सपना कुमारी (21 वर्ष), पिता मदन मुखिया, निवासी बथना गांव के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार सपना कुमारी की शादी 28 अप्रैल को मोतिहारी जिले के रोहिनिया गांव में हुई थी। वह करीब तीन दिन पूर्व अपने मायके बथना गांव आई थी। शनिवार सुबह वह अपनी भाभी के साथ खेत की ओर गई थी। इसी दौरान गांव के ही एक युवक ने उसके साथ कथित रूप से मारपीट शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि युवक सपना से एकतरफा प्रेम करता था और उसने गमछे से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बिजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला गमछे से गला घोंटकर हत्या किए जाने का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि एफएसएल टीम को भी सूचित कर दिया गया है, ताकि वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए जा सकें। मामले में संलिप्तता के आरोप में एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है तथा मामले की हर बिंदु पर जांच की जा रही है।

18 मई से शुरू होगा जनभागीदारी अभियान, जनजातीय बहुल गांवों में लगेंगे विशेष शिविर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के माध्यम से पूर्वी चंपारण जिले के जनजातीय बहुल गांवों में 18 मई 2026 से 25 मई 2026 तक जनभागीदारी अभियान चलाया जाएगा। अभियान का शुभारंभ 18 मई को जिला समाहरणालय, मोतिहारी में जिला पदाधिकारी द्वारा किया जाएगा। अभियान के तहत कल्याणपुर एवं केसरिया प्रखंड के चार अनुसूचित जनजाति बहुल गांवों में 19 मई से 25 मई तक विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में विभिन्न सरकारी सेवाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन करते हुए लाभुकों को संबंधित प्रमाणपत्रों का वितरण किया जाएगा। साथ ही मेडिकल कैंप लगाकर स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान के सफल संचालन के लिए जिला कल्याण पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। शिविर के दौरान पूर्व से चिन्हित स्थलों पर जनसुनवाई भी आयोजित होगी, जहां अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों की समस्याएं सुनकर उनका त्वरित समाधान कराया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का सहज एवं प्रभावी लाभ पहुंचाना है। अभियान से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संबंधित पंचायत के विकासमित्र अथवा प्रखंड कल्याण पदाधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जिलेभर में जागरूकता अभियान, लोगों को बताए गए बचाव के उपाय

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिले के स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान रोगी हितधारक मंच के सदस्यों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक किया। जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. एससी शर्मा ने बताया कि डेंगू जैसी खतरनाक बीमारी की रोकथाम के लिए समाज को जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि डेंगू एक मच्छर जनित वायरल बीमारी है, जो एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से फैलती है। बारिश के मौसम में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी की संभावना रहती है, इसलिए लोगों को पहले से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल सहित जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों के बीच डेंगू के कारण, लक्षण एवं बचाव से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए, ताकि आमजन इस बीमारी के प्रति जागरूक हो सकें। संग्रामपुर प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर इजरा, मध्य विद्यालय सह उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय इजरा, जलहा, पचभीड़वा, मधुबनी बाजार, चकिया के मधुडीह, लखनी एवं चिरैया के विद्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में सीएचओ, पीएसपी सदस्यों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने सैकड़ों बच्चों एवं ग्रामीणों को डेंगू से बचाव के उपाय बताए। वहीं एएनएम कॉलेज में भी राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डेंगू के लक्षण एवं बचाव- स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को सलाह दी गई कि घर एवं आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, बरसात का पानी जमा नहीं होने दें तथा रात में मच्छरदानी का उपयोग करें। डेंगू के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिर एवं जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर लाल चकत्ते, नाक या मसूड़ों से खून आना तथा उल्टी के साथ रक्तस्राव शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच एवं उपचार कराने की अपील की गई।

एससी-एसटी अत्याचार निवारण एवं मैनुअल स्कैवेंजर अधिनियम को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। डॉ. राधाकृष्ण भवन, मोतिहारी में शुक्रवार को जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण के निर्देश पर अपर समाहर्त्ता (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 तथा मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, 2013 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्त्ता (विभागीय जांच), जिला कल्याण पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, थानाध्यक्ष अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति थाना मोतिहारी सहित समिति के सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत कुल 49 मामलों में पीड़ितों को प्रथम किस्त के रूप में मुआवजा राशि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए विभाग द्वारा 95 लाख रुपये का आवंटन उपलब्ध कराया गया है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के एक मामले में हत्या के बाद मृतक की आश्रित पत्नी रागिनी कुमारी को परिचारी पद पर सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। बैठक में सभी थानाध्यक्षों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति से जुड़े मामलों में 60 दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल करना सुनिश्चित करें। साथ ही लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का भी निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले के 52 मामलों में मृतकों के आश्रितों को प्रत्येक माह पेंशन राशि का भुगतान किया जा रहा है। बैठक में यह भी स्पष्ट निर्देश दिया गया कि थाना प्रभारी वास्तविक घटना की प्रकृति के अनुरूप ही धाराएं अंकित करें। गलत धारा लगाने की स्थिति में संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, 2013 के तहत सफाई कर्मियों को नियमित रूप से ड्रेस एवं सेफ्टी किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही 'नमस्ते योजना' के अंतर्गत डीस्लजिंग वाहन अनुदान योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया।

मधुडीह विद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस, छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

बीएनएम @ चकिया

चकिया। चकिया प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर मधुडीह अंतर्गत उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीएसपी सदस्य एवं सीएचओ राजेश कुमार ने की। इस अवसर पर एएनएम कुमारी काजल, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सीएचओ राजेश कुमार ने बच्चों को डेंगू रोग के कारण, लक्षण एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेंगू बीमारी मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलती है। इससे बचाव के लिए घर एवं आसपास साफ-सफाई बनाए रखना जरूरी है। साथ ही दिन में भी मच्छरदानी का उपयोग करने तथा बरसात का पानी कहीं जमा नहीं होने देने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में डेंगू के प्रमुख लक्षणों की भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि तेज बुखार, सिर एवं जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, नाक या मसूड़ों से खून आना, उल्टी के साथ रक्तस्राव तथा शरीर पर लाल चकत्ते दिखाई देना डेंगू के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की अपील की गई।

श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया वट सावित्री व्रत

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को वट सावित्री व्रत श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। प्रखंड के विभिन्न गांवों, पंचायतों और बाजार क्षेत्रों में सुबह से ही सुहागिन महिलाओं की भीड़ वट वृक्षों के पास उमड़ पड़ी। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर पूरे विधि-विधान के साथ बरगद के वृक्ष की पूजा-अर्चना की और अपने पति की लंबी आयु एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। व्रत के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर परिक्रमा करते हुए रक्षा सूत्र बांधा तथा वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण किया। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर धार्मिक गीत, भजन और मंगलगान भी गाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। ग्रामीण इलाकों में दिनभर पूजा-पाठ और व्रत को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंदिरों एवं वट वृक्षों के आसपास पूजा सामग्री की दुकानों पर भी अच्छी खासी भीड़ रही। महिलाएं फल, फूल, अगरबत्ती, सिंदूर, लाल धागा एवं अन्य पूजन सामग्री खरीदती नजर आईं। वहीं बुजुर्ग महिलाओं ने युवा पीढ़ी को इस व्रत की धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं की जानकारी दी। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने तप, त्याग और अटूट संकल्प के बल पर अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त किए थे। तभी से विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य के लिए वट सावित्री व्रत रखती हैं। पूरे रामगढ़वा प्रखंड में दिनभर श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला। महिलाओं ने परिवार की खुशहाली एवं सुख-शांति की कामना करते हुए व्रत संपन्न किया।

हरसिद्धि पुलिस ने कई मामलों में अभियुक्तों के घर चिपकाया इश्तेहार

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी/हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना पुलिस ने विभिन्न आपराधिक मामलों में फरार चल रहे अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर इश्तेहार तामिला की कार्रवाई की। पुलिस ने अलग-अलग गांवों में पहुंचकर अभियुक्तों के घरों पर इश्तेहार चिपकाया और निर्धारित समय के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। जानकारी के अनुसार हरसिद्धि थाना कांड संख्या 475/24, जो हत्या के प्रयास से जुड़ा मामला है, के प्राथमिक अभियुक्त जग्गी लाल कुमार, पिता वशिष्ठ सिंह, निवासी घोघराहा बैरिया थाना हरसिद्धि के विरुद्ध इश्तेहार तामिला किया गया। वहीं माननीय न्यायालय से प्राप्त टीआर संख्या 1018/25 में अभियुक्त भोला साहनी, धर्मेंद्र सहनी, राम विनय सहनी तथा रुना देवी, सभी निवासी दामोवृत्ति थाना हरसिद्धि के घरों पर भी पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया। इसके अलावा टीआर संख्या 1944/25 में दरबारी यादव, सुरेंद्र यादव, मंटू यादव, वशिष्ठ यादव, विजेंद्र यादव तथा बैजू यादव, सभी निवासी अहिरगवा थाना हरसिद्धि के विरुद्ध भी न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की गई। इसी क्रम में टीआर संख्या 806/25 के अभियुक्त छठू राम, निवासी दनही थाना हरसिद्धि के यहां भी इश्तेहार तामिला किया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद लगातार फरार चल रहे अभियुक्तों के विरुद्ध इश्तेहार तामिला की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय के भीतर अभियुक्त न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई भी की जाएगी। थाना पुलिस द्वारा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई लगातार जारी है।

संक्षिप्त समाचार

कालीबाग पुलिस ने बछड़े सहित दो कथित तस्करों को पकड़ा

बीएनएम @ बेतिया। कालीबाग थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गढ़वान टोली इलाके से एक बछड़े के साथ दो कथित गौ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। जानकारी के अनुसार कालीबाग थानाध्यक्ष अजय कुमार चौधरी को सूचना मिली थी कि गढ़वान टोली क्षेत्र में गौवंश की तस्करी कर उन्हें कसाइयों तक पहुंचाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एएसआई अफरोज कमर, एएसआई अरुण कुमार, पीटीसी मुकेश कुमार एवं अन्य पुलिस बल के साथ इलाके में नाकेबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया तथा एक बछड़े को बरामद किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद राजा, पिता मोहम्मद जलील तथा मोहम्मद सद्दाम हुसैन, पिता स्वर्गीय असलम खान, दोनों निवासी गढ़वान टोली (अस्थायी निवासी) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अजय कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है तथा उनके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गौ तस्करी के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अखंड सौभाग्य व पति के दीर्घायु के लिए किया वट सावित्री व्रत

वैवाहिक जीवन में आती है सुख, शांति, खुशहाली व समृद्धि

बीएनएम @ बगहाः सुहागिन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य, धन-धान्य व पति के स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की प्राप्ति के लिए वट सावित्री व्रत का अनुष्ठान रखा एवं विधि पूर्वक पूजन किया। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से पति की दीर्घायु के साथ-साथ वैवाहिक जीवन में सुख और समृद्धि आती है। उक्त बातें स्थानीय निवासी आरती देवी ने वट सावित्री पूजन के अवसर पर कहीं। शिक्षक सुनिल कुमार ने कहा कि मान्यता है कि इसी दिन माता सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और भक्ति से यमराज के हाथों से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस छीन लिए थे तभी से हिंदु धर्म में शादीशुदा महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा के लिए हर साल ज्येष्ठ महीने की अमावस्या को यह व्रत रखती हैं। इस बार का वट सावित्री व्रत और भी खास है क्योंकि आज शनिवार होने की वजह से शनि जयंती और शनिश्चरी अमावस्या का बेहद शुभ संयोग भी बन रहा है। यह संयोग अत्यंत दुर्लभ और सौभाग्यशाली माना जाता है।

दीदी की रसोई पर सियासत तेज, प्रसूताओं को भोजन नहीं मिलने का आरोप

बीएनएम @ पटना। बिहार में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्ष ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कई सरकारी अस्पतालों में संचालित जीविका की "दीदी की रसोई" योजना गैस सिलेंडर की कमी के कारण प्रभावित हो गई है, जिससे प्रसूता महिलाओं को समय पर भोजन नहीं मिल पा रहा है। विपक्ष ने कहा कि प्रसव के बाद महिलाओं को पौष्टिक भोजन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, लेकिन अस्पतालों में भोजन व्यवस्था बाधित होने से जच्चा और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। बयान में आरोप लगाया गया कि चुनाव के समय महिलाओं के हित में बड़े-बड़े वादे करने वाली सरकार अब बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध कराने में विफल साबित हो रही है। विपक्षी नेताओं ने बिहार में महिलाओं में बढ़ती एनीमिया की समस्या का भी मुद्दा उठाया। इधर, इस मामले में सरकार या स्वास्थ्य विभाग की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, सीमावर्ती नागरिकों को मिली राहत

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। सुप्रीम कोर्ट नेपाल के एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश से भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने 100 रुपये से अधिक की खरीददारी पर तत्काल कस्टम शुल्क (भन्सार) लागू नहीं करने का आदेश दिया है। इस फैसले के बाद रक्सौल-बीरगंज सहित विभिन्न सीमा चेकपोस्टों से दैनिक उपयोग एवं पारिवारिक जरूरत के सामान ले जाने पर आम लोगों को राहत मिल गई है। अदालत के आदेश के बाद नेपाल पुलिस एवं सीमा सुरक्षा इकाइयों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि केवल बड़े पैमाने पर होने वाले व्यापारिक माल अथवा अवैध वस्तुओं की जांच की जाए तथा आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाए। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। पिछले करीब दो महीनों से मधेश, तराई एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग सख्त जांच, सामान जब्त किए जाने तथा चेकपोस्टों पर रोक-टोक की समस्या से परेशान थे। विशेष रूप से बीरगंज और रक्सौल जैसे सीमावर्ती शहरों में प्रतिदिन आवाजाही करने वाले हजारों परिवारों के लिए यह बड़ी परेशानी बन गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब आम जनजीवन के सामान्य होने की उम्मीद बढ़ गई है। नेपाल सरकार एवं सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने स्वागत किया है। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के अध्यक्ष बिमल सर्राफ, रक्सौल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, महासचिव शंभु प्रसाद चौरसिया, टेक्सटाइल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता तथा इंडो-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने संयुक्त बयान जारी कर फैसले का स्वागत किया। व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि हाल के महीनों में सीमाओं पर बढ़ी सख्ती से सीमावर्ती शहरों का व्यापार प्रभावित हुआ था और बाजारों में मंदी का माहौल बन गया था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भारत-नेपाल के सदियों पुराने "बेटी-रोटी" संबंध को और अधिक मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के बीच खुले सीमा संबंधों की ऐतिहासिक परंपरा को नई मजबूती देगा। संगठनों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस अंतरिम आदेश को स्थायी रूप से लागू किया जाएगा, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापार, आवाजाही और सामाजिक संबंध पहले की तरह सुचारु रूप से चलते रहें।

एनएच-27 पर भीषण सड़क हादसा : राजद नेता के भाई की मौके पर मौत, एक युवक गंभीर

बीएनएम @ डुमरियाघाट

» सरोतर पहल चौक के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया हाईवे जाम

डुमरियाघाट। पूर्वी चंपारण जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-27 पर शनिवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने सरोतर पहल चौक के समीप एनएच-27 को जाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मृत युवक की पहचान डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के सरोतर गांव निवासी दिनेश सहनी (38 वर्ष) के रूप में की गई है। वह स्वर्गीय गनउर सहनी के पुत्र थे। बताया जा रहा है कि मृतक जिले के चर्चित राजद नेता सुरेश सहनी के छोटे भाई थे। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान विकास पटेल (39 वर्ष) के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय यादवलाल पटेल के पुत्र बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार सुबह दोनों युवक बाइक से किसी कार्य से जा रहे थे। इसी दौरान सरोतर पहल चौक के समीप तेज रफ्तार से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह

क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में दिनेश सहनी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि विकास पटेल गंभीर रूप से जख्मी होकर तड़पते रहे। घटना के बाद आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना डुमरियाघाट पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची तथा घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई। इधर युवक की मौत की खबर मिलते ही सरोतर गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार घटनास्थल पर जुट गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क हादसे के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए सरोतर पहल चौक के समीप नेशनल हाईवे-27 को जाम कर दिया। इस दौरान दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा प्रबुद्ध लोगों ने काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। अधिकारियों द्वारा उचित कार्रवाई और मुआवजे का आश्वासन दिए जाने के बाद लोगों ने सड़क जाम समाप्त किया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। घटना को लेकर पूरे इलाके में शोक का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-27 पर लगातार तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि ट्रक चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए मोतिहारी भेजा जा रहा है। सड़क जाम समाप्त होने के बाद अब स्थिति सामान्य है।

वायरल वीडियो मामले में शिकारगंज पुलिस की त्वरित कार्रवाई, एयरगन जब्त

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

पकड़ीदयाल। शिकारगंज थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे फायरिंग वीडियो मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक एयरगन जब्त की है। मामले में पुलिस ने वीडियो में दिख रहे व्यक्ति से पूछताछ कर आवश्यक कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल कुमार को 15 मई 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से एक वायरल वीडियो प्राप्त हुआ, जिसमें एक व्यक्ति काले रंग के हथियार से फायरिंग करता दिखाई दे रहा था। वीडियो के सत्यापन के दौरान उक्त व्यक्ति की पहचान मुन्ना सिंह, पिता भैरो सिंह, निवासी बड़कागांव थाना पकड़ीदयाल, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर मामले की जांच एवं कार्रवाई के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुन्ना सिंह

के घर छापेमारी की तथा वायरल वीडियो के संबंध में उनसे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान मुन्ना सिंह ने पुलिस को बताया कि वे किसान एवं टेंट हाउस का कार्य करते हैं तथा वीडियो में दिख रहा हथियार कोई असली हथियार नहीं बल्कि एयरगन है, जो केवल आवाज करती है। उन्होंने बताया कि नीलगाय द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाने पर उन्हें खेतों से भगाने के उद्देश्य से करीब 6500 रुपये में एयरगन खरीदी गई थी। मुन्ना सिंह ने यह भी बताया कि 10 मई 2026 को ग्राम कठमलिया में आयोजित एक शादी समारोह में वे उक्त एयरगन लेकर गए थे, जहां उनसे भूलवश एक बार फायर हो गया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने एयरगन को विधिवत जब्त कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई तथा लोगों से अपील की गई कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की गतिविधियों से बचें।

पंचायत सरकार भवनों पर करोड़ों खर्च, संचालन ठप रहने से उठ रहे सवाल

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने और "सरकार आपके द्वार" की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कराया गया था। इसके लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन कई पंचायतों में इन भवनों का समुचित संचालन नहीं होने से अब सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई जगह पंचायत सरकार भवनों का निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है, जबकि कुछ स्थानों पर भवन बनकर तैयार होने के बावजूद वहां नियमित रूप से कोई सरकारी कार्य नहीं हो रहा है। कई भवनों में न तो पंचायत स्तर के अधिकारी बैठते हैं और न ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाता है। इससे पंचायत सरकार भवन केवल शोभा की वस्तु बनकर रह गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार सरकार का उद्देश्य था कि पंचायत स्तर पर ही विभिन्न

योजनाओं एवं प्रशासनिक सेवाओं का लाभ लोगों को मिल सके, ताकि उन्हें छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े। लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई दे रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यदि पंचायत स्तर के पदाधिकारी एवं कर्मचारी नियमित रूप से पंचायत भवन में बैठकर कार्य करते, तो लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पाता। पंचायत सरकार भवनों के निष्क्रिय रहने से विकेंद्रीकरण की व्यवस्था भी कमजोर होती दिख रही है। लोगों ने यह भी कहा कि राज्य से लेकर प्रखंड स्तर तक भ्रष्टाचार और सुविधा शुल्क की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। बिना रिश्वत दिए सरकारी कार्य नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। साथ ही महंगाई, बेरोजगारी और पलायन जैसी समस्याओं से आम जनता परेशान है। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने सरकार से पंचायत सरकार भवनों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने और पंचायत स्तर पर सरकारी सेवाओं को प्रभावी बनाने की मांग की है।

भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम

सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च ने प्रधानमंत्री को अपनी दूसरी चि_ी लिखी है, जिसमें वह भारत को लेकर चिंता में डूबा नजर आया है। इसमें उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी कठिन चुनौतियों पर रोशनी डाली है। अंतरराष्ट्रीय इक्विटी रिसर्च एवं ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने पत्र लिख कर प्रधानमंत्री को उन गंभीर आर्थिक स्थितियों से आगाह किया है, जो भारत की विकास कथा के लिए खतरा बन रही हैं। इसी फर्म ने 2019 के आम चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद भी नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। तब बर्नस्टीन भारत की संभावनाओं को लेकर आशावादी थी। तब उसने कहा था कि पूंजी मुहैया करवा कर बैंकिंग सिस्टम को दुरुस्त कर लिया जाए और दिवालिया संहिता (आईबीसी कोड) को कारगर बना दिया जाए, तो आर्थिक विकास की पटरी पर भारत तेज रफ्तार से दौड़ सकता है। अब सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च भारत को लेकर गहरी चिंता में डूबा नजर आया है। उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी कठिन चुनौतियों पर रोशनी डाली है। कहा है कि रोजगार का प्रश्न अब चक्रीय नहीं रहा, बल्कि यह भारत के अस्तित्व से जुड़ गया है। बर्नस्टीन ने कहा है कि भारतीय कृषि 1970 के दशक के नीति-जाल में अटकी हुई है। नतीजतन, जीडीपी में 15-16 प्रतिशत योगदान के बावजूद इस पर श्रम शक्ति का 42-45 प्रतिशत हिस्सा निर्भर है। पत्र में आगाह किया गया है कि भारत के सामने यह स्थायी खतरा खड़ा है, जिससे वह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का निर्माता नहीं, बल्कि उपभोक्ता भर बन कर रह जाएगा। उधर मैनुफैक्चरिंग में गहराई के अभाव में देश की महत्त्वाकांक्षाएं ठोस आधार नहीं पा सकी हैं। जिन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ा है, उनमें भी चीनी पाट-पुर्जों पर 30-40 प्रतिशत निर्भरता बनी हुई है। बर्नस्टीन ने चेताया है कि नकदी ट्रांसफर की योजनाओं की आई बाढ़ के कारण भारत के निम्न उत्पादकता वाला देश बने रह जाने की स्थिति बन रही है। और आखिर में बर्नस्टीन ने दो-टूक कहा है कि कोई देश अनुसंधान एवं विकास पर अपनी जीडीपी का महज 0.6- 0.7 प्रतिशत खर्च कर विकसित नहीं हो सकता। ये वो बातें हैं, जिनकी ओर देश के लिए चिंतित वर्ग अक्सर ध्यान खींचता है। मगर अब खास बात यह है कि वित्तीय पूंजीवाद की प्रमुख वैश्विक संस्थाएं भी वही बात कहने लगी हैं। यह भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम है।

कैद में करुणाः पंचेन लामा और तीन दशकों का सन्नाटा

निमिषा सिंह

आज का मेरा यह आलेख उस बालक के नाम है जो आज 37 साल का हो चुका होगा, जो शायद आज भी किसी खिड़की से बाहर देखते हुए अपनी आज़ादी का सपना देखता होगा। यह उन हज़ारों माताओं के नाम है जिनके बच्चे उनसे दूर सरकारी इमारतों में अपनी पहचान खो रहे हैं। इतिहास की क्रूरता अक्सर उन पन्नों में दर्ज होती है जहाँ सत्ता अपनी असुरक्षा को छिपाने के लिए मासूमियत का गला घोंट देती है। आज से ठीक इकतीस वर्ष पूर्व, जब हिमालय की चोटियों पर बर्फ पिघल रही थी, तब छह वर्षीय गेधुन चोएक्यी न्यिमा—जिन्हें 11वें पंचेन लामा के रूप में पहचाना गया था उन्हे चीनी तंत्र द्वारा अपनी गिरफ्त में ले लिया गया। यह केवल एक बच्चे का अपहरण नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक घेराबंदी थी, जिसका उद्देश्य तिब्बत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ को तोड़ना था। व्यावहारिक रूप से समझें तो चीन के लिए पंचेन लामा का पद मात्र धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक नियंत्रण का एक अनिवार्य उपकरण है। तिब्बती परंपरा के अनुसार, पंचेन लामा ही अगले दलाई लामा की पहचान और पुष्टि करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसे में, पंचेन लामा को गायब कर और उनके स्थान पर अपनी पसंद का कठपुतली चेहरा बिठाकर,चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भविष्य के दलाई लामा की चयन प्रक्रिया को पूरी तरह अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। यह आध्यात्मिक उत्तराधिकार पर एक ऐसा राजनीतिक कब्ज़ा है, जिससे आने वाले दशकों में तिब्बत के भीतर विद्रोह के स्वर को जड़ से खत्म किया जा सके। चीन जानता है कि पंचेन लामा और दलाई लामा का रिश्ता गुरु-शिष्य का है और एक-दूसरे के पुनर्जन्म को पहचानने में उनकी भूमिका निर्णायक होती है। गेडुन को गायब कर अपने कठपुतली पंचेन लामा को थोपना, तिब्बत के भविष्य और उनकी धार्मिक परंपरा को हमेशा के लिए बंधक बनाने का प्रयास है।

यकीनन पंचेन लामा का गायब होना उस व्यापक अभियान का हिस्सा है जिसे सिनीसाइजेशन यानी चीनीकरण कहा जाता है। आज तिब्बत में चीन द्वारा संचालित औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूल इसी दमनकारी नीति की अगली कड़ी हैं। लगभग 10 लाख तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों से दूर कर इन सरकारी हॉस्टलों में रखना कोई सामान्य शिक्षा नीति नहीं, बल्कि उनकी भाषा, बौद्ध धर्म और पारंपरिक जड़ों को काटकर उनमें हान-चीनी पहचान भरने का एक व्यवस्थित प्रयास है। जब एक पूरी पीढ़ी अपनी जड़ों को भूल जाती है, तो सांस्कृतिक संघर्ष स्वतः ही दम तोड़ देता है। आज दुनिया मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन पंचेन लामा का मामला संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस व्यावहारिक लाचारी को दर्शाता है, जहाँ चीन की आर्थिक

शक्ति और वीटो की ताकत ने न्याय के तराजू को असंतुलित कर दिया है। तीन दशकों से एक व्यक्ति का अदृश्य होना और दुनिया का उसे एक ठंडा बस्ता मान लेना, आधुनिक सभ्य समाज की सबसे बड़ी नैतिक विफलता है। इस घोर अंधकार और दमन के बीच भारत एक प्रकाश स्तंभ की तरह अडिग खड़ा है, जिसने तिब्बती अस्मिता और उनकी सिसकती आस्था को अपनी ममतामयी गोद में शरण दी है। आज दुनिया भर में जो तिब्बत मुक्ति आंदोलन की गूँज सुनाई देती है, उसका केंद्र भारत की वही लोकतांत्रिक मिट्टी है जहाँ दलाई लामा जी सुरक्षित रहकर विश्व को शांति और करुणा का संदेश दे रहे हैं। भारत का यह सहयोग केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि एक रूहानी और ऐतिहासिक जुड़ाव है जिसने तिब्बत की उम्मीदों को मरने नहीं दिया।

एक पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मुझे ऐसा लगता है कि पंचेन लामा का मुद्दा केवल तिब्बत का आंतरिक मामला नहीं, बल्कि यह चेतना की स्वतंत्रता का वैश्विक प्रश्न है। हम अक्सर किसानों के एमएसपी और मजदूरों के अधिकारों की बात करते हैं क्योंकि वे उनके अस्तित्व और प्राण-नीति से जुड़े हैं, ठीक उसी तरह किसी समाज की सांस्कृतिक पहचान का अधिकार भी उसके अस्तित्व का मौलिक आधार होता है। यदि हम आज चीनी शासन द्वारा किए जा रहे इस दमन पर मौन हैं, तो हम एक ऐसे भविष्य को स्वीकार कर रहे हैं जहाँ शक्ति ही सत्य का निर्धारण करेगी। 17 मई की तारीख केवल एक कैलेंडर का पन्ना नहीं, बल्कि विश्व की सामूहिक चेतना की परीक्षा है। चीन का यह तर्क कि पंचेन लामा सुरक्षित हैं, दरअसल एक अधिनायकवादी राज्य का वह पर्दा है जिसके पीछे सच्चाई को दफन किया जा रहा है। समय आ गया है कि दुनिया आर्थिक हितों के चश्मे को उतारकर उस अदृश्य चेहरे की आवाज़ बने, क्योंकि जब तक आस्था और संस्कृति की इन हथकड़ियों को नहीं तोड़ा जाता, तब तक मानवीय गरिमा का दावा अधूरा ही रहेगा। न्याय की यह पुकार आज एक ऐसी गूँज बन चुकी है जिसे अब दुनिया अनदेखा नहीं कर सकती। पिछले तीन दशकों से तिब्बत वूमेन एसोसिएशन (सेंट्रल)की हज़ारों सदस्य और अंतरराष्ट्रीय संगठन संयुक्त राष्ट्र के मंच से चीनी सरकार से जवाब माँग रहे हैं, मगर बीजिंग की ओर से केवल टालमटोल ही हाथ लगी है। यह महज़ एक राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि उन लाखों तिब्बतियों की आस्था का प्रश्न है जिनकी धार्मिक मान्यताओं और पुनर्जन्म की पवित्र परंपराओं पर आदेश संख्या 5 के ज़रिए सीधा प्रहार किया गया है। चीन का यह कदम छह मिलियन तिब्बतियों की पहचान को कुचलने की एक क्रूर कोशिश है। इसीलिए आज दुनिया भर की सरकारों और मानवाधिकार निकायों से यह पुरजोर माँग की जा रही है कि पंचेन लामा की सुरक्षा और उनके ठिकाने को लेकर चीन पर दबाव बनाया जाए। तिब्बत वूमेन एसोसिएशन का यह अडिग विश्वास कि पंचेन लामा की सुरक्षा मानवीय गरिमा का प्रश्न है, आज वैश्विक समुदाय को इस लड़ाई से जोड़ रहा है। यह सक्रियता साफ संदेश देती है कि जब तक न्याय का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिल जाता तब तक, यह प्रतीक्षा एक इबादत की तरह जारी रहेगी, यह सिसकी एक आंदोलन की तरह गूंजती रहेगी और भारत की पावन धरती से शुरू हुई न्याय की यह लड़ाई अपनी मंजिल तक पहुँच कर ही दम लेगी। दुनिया सुन ले, जब तक पंचेन लामा सुरक्षित अपनों के बीच नहीं आ जाते, तिब्बत की ये बेटियाँ, ये बहनें और ये माँएँ अपनी आवाज़ को और प्रखर करती रहेंगी। न्याय की यह पुकार अब थमने वाली नहीं है!

आज जब 17 मई की तारीख कैलेंडर पर आती है, तो यह केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक जवाबदेही बनकर आती है। यह हमें याद दिलाती है कि हमारे पड़ोस में, हिमालय की गोद में एक ऐसी सभ्यता सिसक रही है जिसे जबरन चुप कराया जा रहा है। हमारी चुप्पी भी इस अपराध में हिस्सेदारी है। अगर हम आज पंचेन लामा की रिहाई की मांग नहीं करते, अगर हम उन बच्चों के लिए आवाज़ नहीं उठाते जिन्हें उनके संस्कारों से दूर किया जा रहा है, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे पूछेंगी कि जब इंसानियत को कैद किया जा रहा था, तब आप क्या लिख रहे थे?

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां ?

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को "सावधान रहने" की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है- उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता। आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई "महिला मुद्दा" नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण 2026- दोबारा परीक्षा 21 जून को

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

नीट परीक्षा 2027 से पूरी तरह कंप्यूटर आधारित -सवाल वही डिजिटल युग, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था का संकटः क्या तकनीक से तेज हो गया है परीक्षा माफियाओं का नेटवर्क?

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नही, करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं

"मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस मॉडल अब तकनीक- संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है,जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपर्सोनेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का रूप ले चुके हैं वैश्विक स्तरपर भारत आज उस दौर से गुजर रहा है जहां एक ओर डिजिटल क्रांति ने शासन,प्रशासन,शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और नागरिक सुविधाओं को अभूतपूर्व गति दी है,वहीं दूसरी ओर इसी तकनीकी विस्तार ने साइबर अपराध,डेटा चोरी, डिजिटल धोखाधड़ी और संगठित परीक्षा माफियाओं को भी नई ताकत प्रदान कर दी है। आधुनिक तकनीक ने जीवन को आसान बनाया,लेकिन इसी तकनीक का दुरुपयोग व्यवस्था की विश्वसनीयता को चुनौती देने लगा है।विशेष रूप से शिक्षाक्षेत्र में तकनीक आधारित अपराधों ने जिस प्रकार प्रवेश किया है,उसने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं की साख तक को हिला दिया है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं।जब इन्हीं परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठने लगें, तब यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं रह जातीबल्कि राष्ट्रीय नैतिक संकट का रूप ले लेती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि, वर्ष 2026 का नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण इसी गहराते संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। 3 मई 2026 को आयोजित हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को पेपर लीक और व्यापक अनियमितताओं के आरोपों के बाद रद्द करना पड़ा, सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है। 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों की महीनों की मेहनत, मानसिक तनाव और अभिभावकों की अपेक्षाएं अचानक अनिश्चितता में बदल गईं। पूरे देश में छात्रों के विरोध प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियानों और परीक्षा प्रणाली पर तीखे सवालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की परीक्षा व्यवस्था अब केवल प्रशासनिक सुधारों से नहीं, बल्कि संरचनात्मक परिवर्तन की मांग कर रही है। विडंबना यह है कि यह संकट ऐसे समय सामने आया, जब सरकार ने वर्ष 2024 में"पब्लिकएग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024" लागू किया था। इस कानून को आम भाषा में "एंटी पेपर लीक कानून" कहा जाने लगा। दावा किया गया था कि अब पेपर लीक जैसे अपराधों पर निर्णायक रोक लगेगी, दोषियों को कठोर दंड मिलेगा और परीक्षा प्रणाली अधिक सुरक्षित बनेगी। इस कानून के अंतर्गत संगठित नकल, प्रश्नपत्र लीक, डिजिटल हैकिंग, फर्जीवाड़ा और परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप जैसे अपराधों के लिए कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया था। लेकिन 2026 के नीट कांड ने यह दिखा दिया कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता; अपराधी नेटवर्क यदि तकनीकी रूप से अधिक उन्नत और संगठित हो जाएं, तो वे कानून की कमजोरियों और प्रशासनिक ढिलाई का आसान व सटीकता से रास्ता खोज लेते हैं। साथियों, आज का पेपरमाफिया पारंपरिक अपराधीनहीं रह गया है। यह एक अत्यंत संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से दक्ष नेटवर्क में बदल चुका है। इसमें शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग,कोचिंग नेटवर्क, साइबर अपराधी, डेटा ब्रोकर, स्थानीय एजेंटतकनीकी विशेषज्ञ और कई बार भ्रष्ट अधिकारी तक शामिल पाए जाते हैं। यही कारण है कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं केवल किसी एक राज्य या परीक्षा तक सीमित नहीं रह गईं। यह समस्या राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। तकनीक का उपयोग अब केवल पढ़ाई या ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो ईयरपीस, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग, डार्क वेब चैनल और डिजिटल भुगतान नेटवर्क के जरिए संगठित धोखाधड़ी को आसान व सटीकता से अंजाम दिया जा रहा है। साथियों, नीट-यूजी 2026 विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 15 मई 2026 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकाला जाएगा और किसी भी स्तर पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह बयान केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि उस जनआक्रोश का प्रतिबिंब था जो पूरे देश में दिखाई दे रहा था। सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है।नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण बदलाव घोषित किए गए। छात्रों को परीक्षा केंद्र शहर बदलने की सुविधा देने का निर्णय लिया गया ताकि जिन क्षेत्रों में अनियमितताओं की आशंका रही, वहां के विद्यार्थी अपनी पसंद के शहर में परीक्षा दे सकें। एडमिट कार्ड 14 जून तक जारी करने की घोषणा की गई और दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक परीक्षा समय निर्धारित किया गया, जिसमें अतिरिक्त 15 मिनट का समय भी जोड़ा गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दोबारा परीक्षा के लिए छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह निर्णय छात्रों के मानसिक और आर्थिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया। लेकिन वास्तविक प्रश्न केवल पुनर्परीक्षा का नहीं है। बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या भारत की पारंपरिक पेन-एंड-पेपर परीक्षा प्रणाली अब अप्रासंगिक हो चुकी है? क्या परीक्षा माफिया तकनीकी रूप से प्रशासन से आगे निकल चुके हैं? और क्या केवल सीबीटी मोड में परिवर्तन से यह समस्या समाप्त हो जाएगी?

साथियों, इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए हमें भारत की परीक्षा संस्कृति और उसके सामाजिक-आर्थिक दबावों को समझना होगा। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल अकादमिक प्रक्रिया नहीं हैं। मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रवेश को सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सुरक्षा और पारिवारिक सम्मान से जोड़ दिया गया है। लाखों परिवार अपनी पूरी बचत कोचिंग, हॉस्टल और अध्ययन सामग्री पर खर्च करते हैं। कई विद्यार्थी वर्षों तक ड्रॉप लेकर तैयारी करते हैं। ऐसी स्थिति में जब सफलता का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब अवैध रास्तों का आकर्षण भी बढ़ने लगता है। यही वह जमीन है जहां परीक्षा माफिया अपना नेटवर्क तैयार करते हैं।

साथियों, यहां 2003 में रिलीज हुई प्रसिद्ध फिल्म मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस का संदर्भ अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। उस समय दर्शकों ने फिल्म को एक मनोरंजक कॉमेडी-ड्रामा के रूप में देखा था, जिसमें मेडिकल शिक्षा व्यवस्था की खामियों और फर्जी प्रवेश संस्कृति पर व्यंग्य किया गया था। लेकिन आज वास्तविक जीवन में जो घटनाएं सामने आ रही हैं,उन्होंने यह एहसास करा दिया है कि वह केवल फिल्मी कल्पना नहीं थी। "मुन्ना भाई" मॉडल अब तकनीक-संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है, जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपर्सोनेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का उच्च स्तरीय रूप ले चुके हैं। साथियों साइबर अपराध और परीक्षा प्रणाली के इस गठजोड़ ने प्रशासन के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पहले प्रश्नपत्र प्रिंटिंग प्रेस या परिवहन के दौरान लीक होते थे, लेकिन अब डिजिटल सर्वर, एन्क्रिप्टेड डेटा ट्रांसफर और नेटवर्क सुरक्षा भी जोखिम में हैं। यदि परीक्षा डेटा का प्रबंधन पर्याप्त साइबर सुरक्षा के साथ न किया जाए, तो हैकिंग, डेटा चोरी और अंदरूनी मिलीभगत के जरिए पूरी प्रणाली प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि विशेषज्ञ केवल कानूनी सख्ती नहीं, बल्कि साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन पर भी सटीकता से जोर दे रहे हैं।

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से संबंधित शुभ समाचार मिलेगा। आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आज आपका दांपत्य जीवन शानदार रहने वाला है, जीवनसाथी आपके कार्यों में सहयोग करेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज आपके पारिवारिक रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। सभी लोग हंसी-खुशी रहेंगे। बीते दिनों में जितना धन इन्वेस्ट किया था, उसका फायदा आपको आज मिल सकता है। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपको ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। इस राशि के छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस राशि के अकाउंटेंट के लिए आज का दिन व्यस्तता भरा रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। आज किसी को मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाये। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते हैं लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आया है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही करने से आज आपको बचना चाहिए। टूर ट्रैवल्स से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में आप कुछ बदलाव करेंगे, ये बदलाव आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज स्टूडेंट्स को कुछ नया सीखने को मिल सकता है। आज फैमिली वालों के साथ किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे। नव विवाहित दंपति आज एक दूसरे को समझने की कोशिश करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आज आपको सोच- समझकर लेने चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। व्यापार में आज आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक-दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा। आज किसी को दिए पैसे आपको वापस मिल जाएंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बने हुए हैं।

मकर राशिः आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वाले आज आपको अच्छी राय देंगे। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से पूरा करेंगे, जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में भी इजाफा होगा। आज आपके व्यापार में उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा। अगर आज जॉब चेंज करना चाहते हैं तो सोच-समझ कर ही करें।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज वर्कप्लेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है तो उसे गंभीरता से लें और अपनी कमियों को जानकर उसे सुधारने का प्रयास करें। आज बिजनेस की प्रगति के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करेंगे। संतान पक्ष से आज खुशखबरी मिलेगी। फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। कार्यस्थल पर अच्छे प्रदर्शन को दोहराने के लिए एकाग्रता बनाएं रखनी होगी। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, व्यापारिक योजनाओं को लेकर थोड़ी सतर्कता बरते। आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लग सकता है। आज किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जा सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की बदली तस्वीर : कृष्णमाचारी श्रीकांत

टीम ज्यादा एकजुट दिखी

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल 2026 में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बड़ा बयान दिया है। श्रीकांत का कहना है कि जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में टीम का माहौल और प्रदर्शन दोनों बदले हुए नजर आए और खिलाड़ी ज्यादा एकजुट दिखाई दिए। इस सीजन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम की कप्तानी कभी हार्दिक पांड्या तो कभी सूर्यकुमार यादव के हाथों में रही, लेकिन लगातार अस्थिरता के कारण टीम लय नहीं पकड़ सकी। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ जब टीम की कमान जसप्रीत बुमराह ने संभाली, तो टीम का रवैया पूरी तरह अलग नजर आया। 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि बुमराह को कप्तानी देना एक सही फैसला साबित हुआ। उनके अनुसार मैच के दौरान खिलाड़ियों का मूड हल्का था और टीम में नई ऊर्जा दिखी। उन्होंने कहा कि भले ही सूर्यकुमार यादव उस मुकाबले में निजी कारणों से नहीं खेले, लेकिन मैदान पर उतरी टीम पहले से ज्यादा संतुलित और आत्मविश्वासी नजर आई।

श्रीकांत ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी तारीफ की। उन्होंने दीपक चाहर, राज अंगद बावा, तिलक वर्मा और रयान रिकेल्टन के योगदान को अहम बताया। खासतौर पर रयान रिकेल्टन की आक्रामक शुरुआत और तिलक वर्मा की जिम्मेदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि बुमराह कप्तानी करते समय बेहद शांत और मुस्कुराते हुए नजर आए, जिसका सकारात्मक असर गेंदबाजों पर पड़ा। उनके अनुसार बुमराह ने गेंदबाजों को आत्मविश्वास दिया, जिससे दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज ज्यादा अनुशासित नजर आए और रन लुटाने से बचे। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले में 200 से ज्यादा रनों का लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। हालांकि यह जीत टीम के प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं थी, लेकिन इसने पंजाब किंग्स की मुश्किलें जरूर बढ़ा दीं। यह पंजाब की लगातार पांचवीं हार रही, जिससे उनकी प्लेऑफ की राह और कठिन हो गई है। श्रीकांत के इस बयान के बाद मुंबई इंडियंस के टीम संयोजन और कप्तानी रणनीति को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है।

आईपीएल के बीच हार्दिक पांड्या की दूसरी शादी की चर्चा तेज, महिका शर्मा संग रिश्ते को लेकर बढ़ी हलचल

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि हार्दिक पांड्या जल्द ही दूसरी शादी कर सकते हैं। खबरों के अनुसार हार्दिक इन दिनों मॉडल और अभिनेत्री महिका शर्मा को डेट कर रहे हैं और दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है। वायरल पोस्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि दोनों 22 मई को एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में हार्दिक पांड्या या महिका शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हार्दिक पांड्या ने पहली शादी अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक से 31 मई 2020 को लॉकडाउन के दौरान की थी। दोनों की शादी शुरुआत में काफी चर्चा में रही, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल पाया। करीब चार साल बाद जुलाई 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। तलाक के बाद भी दोनों अपने बेटे अगस्त्य पांड्या की परवरिश मिलकर कर रहे हैं। हार्दिक और नताशा अक्सर बेटे के साथ तस्वीरें साझा करते रहते हैं। तलाक के बाद हार्दिक पांड्या का नाम कई महिलाओं के साथ जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनके रिश्ते की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। दूसरी ओर हार्दिक पांड्या का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन और कप्तानी भी सवालों के घेरे में है।

वह इस सीजन मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। लगातार दूसरे सीजन में मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक पिछले दो मुकाबलों में चोट के कारण मैदान पर नहीं उतर पाए थे, हालांकि उम्मीद जताई जा रही है कि वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में वापसी कर सकते हैं।

सैमसन हो सकते हैं भारतीय टी20 टीम के अगले कप्तान : रवि शास्त्री

एजेंसी, मुम्बई

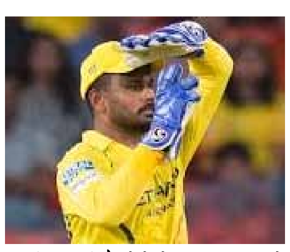

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारतीय टी20 टीम के अलग कप्तान संजू सैमसन होंगे। शास्त्री के अनुसार अगले दो से तीन साल में आप सैमसन को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी करते देखेंगे। शास्त्री का मानना है कि सैमसन ने पिछले कुछ समय में कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपने को नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार कर लिया है और वह भविष्य में टीम इंडिया के लिए कप्तानी के बड़े दावेदार के तौर पर उभरेंगे। अभी भारतीय टीम की कप्तान सूर्यकुमार यादव के पास है पर उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। ऐसे में चयनसमिति को भविष्य के लिए नये कप्तान की जरुरत है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने इसी साल टी20 विश्वकप जीत है पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। विश्वकप के बाद सूर्या आईपीएल में भी रन बनाने में असफल रहे। जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ने और 2028 टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए एक नए और दीर्घकालिक कप्तान को पर्याप्त समय देने पर विचार कर रहे हैं। भारतीय टीम को आईपीएल के बाद आयरलैंड और इंग्लैंड का भी दौरा करना है। इन दौरों के लिए भारतीय टीम की घोषणा के बाद चयनकर्ता नए कप्तान का नाम भी ले सकते हैं। इस दौड़ में अभी श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन दो नाम प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं पर श्रेयस अय्यर ने साल 2023 से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि सैमसन ने हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

मिशेल मार्श टीम की जीत से गदगद, शतक से चूकने का नहीं हैं गम

एजेंसी, नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स ने इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के हीरो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मिशेल मार्श रहे, जिन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनकी शानदार पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद मार्श ने कहा कि लंबे समय बाद मिली यह जीत टीम के लिए काफी संतोषजनक रही। उन्होंने जोश इंग्लिस के साथ हुई बड़ी साझेदारी को भी जीत का अहम कारण बताया।

मिशेल मार्श ने कहा कि जोश इंग्लिस के साथ बल्लेबाजी करना आसान रहता है क्योंकि वह दबाव कम कर देते हैं। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 70 गेंदों पर 135 रन की साझेदारी कर मैच को एकतरफा बना दिया।

विराट कोहली का दर्द छलका, बोले- हर बार खुद को साबित क्यों करूं?

एजेंसी, नई दिल्ली

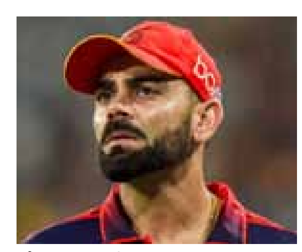

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर अपने भावुक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट बातचीत के दौरान उन्होंने अपने करियर, टेस्ट क्रिकेट से विदाई और टीम में अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। कोहली के शब्दों में भावनाएं भी थीं और नाराजगी भी। उनके बयान ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है कि क्या भारतीय क्रिकेट अपने सबसे बड़े खिलाड़ियों को सही सम्मान और स्पष्टता दे पा रहा है। कोहली ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी अपना घर, परिवार और निजी जिंदगी छोड़कर पूरी तरह क्रिकेट को समर्पित कर देता है, तो वह सिर्फ इतना चाहता है कि उस पर भरोसा किया जाए। उन्होंने इशारों में कहा कि बार-बार खुद को साबित करने की स्थिति किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल होती है। उनके बयान को टेस्ट क्रिकेट से उनके अचानक संन्यास से जोड़कर देखा जा रहा है। क्रिकेट फैंस लंबे समय से इस बात को लेकर चर्चा कर रहे थे कि कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा क्यों कहा और क्या इसके पीछे चयनकर्ताओं या टीम प्रबंधन का दबाव था। पॉडकास्ट में कोहली काफी भावुक नजर आए। आमतौर पर मैदान पर आक्रामक अंदाज में दिखने वाले विराट इस बार अंदर से आहत दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी खिलाड़ी को हर बार अपनी अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह स्थिति मानसिक रूप से बेहद थका देने वाली हो जाती है।

बिजनेस

सेल का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 42 फीसदी बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त जनवरी-मार्च में सेल का शुद्ध लाभ 42 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये रहा। करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। सेल ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 30,813 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 29,316 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.35 रुपये के अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में सेल का शुद्ध लाभ बढ़कर 3,233 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह 2,148 करोड़ रुपये था। इसके अलावा वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 1,10,810 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1,02,478 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ए. के. पंडा ने कंपनी के चौथी तिमाही के नतीजे पर कहा कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के साथ माल-भंडार और उधारी में कमी ने हमारी लाभप्रदता को और मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप कर-पूर्व लाभ और कर-पश्चात लाभ में वृद्धि दर्ज की गई है।

अमेरिकी दल व्यापार वार्ता के लिए अगले महीने आ सकता है भारत : वाणिज्य सचिव

एजेंसी, नई दिल्ली

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी दल के अगले महीने भारत आने की संभावना है। हालांकि अभी उनके आने की तारीख तय नहीं हुई है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं को बताया कि भारत अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए एक "सही समय" का इंतज़ार कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी दल जल्द आएगा। इस महीने नहीं, शायद अगले महीने आएगा...।''

उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है और इस पर उपयुक्त समय पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। साथ ही भारत धारा-301 के तहत जांच को लेकर भी अमेरिका से बातचीत कर रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी व्यापार टीम के साथ बातचीत का अगला दौर जून में होने की उम्मीद है, जबकि अमेरिकी सेक्शन 301 की जांच को लेकर बातचीत जारी है। अग्रवाल ने कहा कि भारत इस बातचीत की प्रक्रिया में शामिल हो गया है और अगले कदमों के बारे में वॉशिंगटन से आगे की जानकारी का इंतजार कर रहा है। दरअसल भारतीय दल अप्रैल में वॉशिंगटन गया था जहां ,अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक कर अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने एवं व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत वार्ताओं को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई थी। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को संयुक्त बयान जारी कर द्विपक्षीय रूप से लाभकारी व्यापार के लिए अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अमेरिका को भारत का निर्यात 0.92 फीसदी बढ़कर 87.3 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 15.95 फीसदी की बढ़त के साथ 52.9 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं, व्यापार अधिशेष 40.89 अरब डॉलर से घटकर 34.4 अरब डॉलर रहा।

केंद्र ने 7,280 करोड़ रुपये की 'रेयर अर्थ मैग्नेट' योजना के लिए बोली लगाने की समय सीमा 29 जून तक बढ़ाई

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) विनिर्माण संवर्धन योजना के अंगर्तत 7,280 करोड़ रुपये की वैश्विक निविदा के लिए बोली जमा करने की समय-सीमा 29 जून तक के लिए बढ़ा दी है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने 7,280 करोड़ रुपये की उस योजना के तहत ग्लोबल टेंडर की समय-सीमा बढ़ा दी है, जिसका मकसद सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) के निर्माण को बढ़ावा देना है। ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग इसमें हिस्सा ले सकें और बोली लगाने की प्रक्रिया में शामिल लोगों को अतिरिक्त समय मिल सके। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 28 मई से बढ़ाकर 29 जून कर दी गई है, जबकि तकनीकी बोलियों को खोलने की तिथि 29 मई से पुनर्निर्धारित करके 30 जून कर दी गई है, ताकि अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके और हितधारकों को बोली प्रक्रिया में अतिरिक्त समय मिल सके। सभी हितधारकों की जानकारी के लिए अधिशेष केंद्रीय सार्वजनिक खरीद (सीपीपी) पोर्टल (https://eprocure.gov.in/eprocure/app) पर प्रकाशित किया गया है। भारत में सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए आरईपीएम योजना के तहत लाभार्थियों के रूप में निर्माताओं के चयन हेतु मंत्रालय ने 20 मार्च को वैश्विक निविदा आमंत्रित की गई थी।

रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट विश्व के सबसे शक्तिशाली चुंबकों में से हैं और इनका व्यापक रूप से विद्युत वाहनों, पवन टर्बाइनों, उच्च स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, एयरोस्पेस और रक्षा प्रणालियों में उपयोग किया जाता है। भारत में एनडीपीआर ऑक्साइड से लेकर तैयार चुंबकों तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्माण करके इस योजना से इस क्षेत्र में आयात पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

स्टॉक मार्केट में सिम्का एडवर्टाइजिंग की जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री, नुकसान में रहे आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

एडवर्टाइजिंग सर्विस देने वाली कंपनी सिम्का एडवर्टाइजिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त डिस्काउंट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 183 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 156 के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 148.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। इसके बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे ये शेयर उछल कर 163.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर का अपर सर्किट भी ब्रेक हो गया। दोपहर दो बजे तक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करने के बाद कंपनी के शेयर एक बार फिर 163.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए और उसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन का कारोबार होने के बाद अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 19.20 रुपये यानी 10.49 प्रतिशत के नुकसान में रहे। सिम्का एडवर्टाइजिंग का 58.04 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 12 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 80.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 101.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 81.54 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 70.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 31,71,600 नए शेयर जारी किए गए हैं।

श्रद्धा कपूर की बड़ी तैयारी

फिल्म ईथा में 800 कलाकारों के साथ देंगी खास प्रस्तुति

श्रद्धा कपूर को आखिरी बार फिल्म स्त्री 2 (2024) में देखा गया था। इस वक्त अभिनेत्री अपनी अगली बहुप्रतीक्षित फिल्म ईथा में व्यस्त चल रही हैं, जिसका निर्देशन विक्की कौशल अभिनीत छावा वाले लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। फिल्म मशहूर लावणी डांसर विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। शूटिंग फिलहाल अंतिम चरण में है और अब इससे जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक श्रद्धा एक भव्य गाने की तैयारी में जुट चुकी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अब अपने आखिरी चरण में है। निर्माताओं ने समापन समारोह में करीब 800 कलाकारों के साथ एक भव्य गाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे शूटिंग का अंतिम चरण एक भव्य आयोजन में बदल गया है। मतलब यह है कि श्रद्धा फिल्म के लिए एक भव्य गाना कर रही हैं, जिसमें उनके साथ 800 कलाकार शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गाने को लाइव इवेंट की तरह तैयार किया गया है। श्रद्धा पहली बार बायोपिक का हिस्सा बनी हैं, जो विठाबाई नारायणगांवकर की असल जिंदगी को पर्दे पर दिखाएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए किसी चुनौती से कम साबित नहीं हुआ है। उन्होंने लावणी डांस भी सीखा है। फिल्म में उनके साथ रणदीप हुड्डा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। खबरों की मानें, तो निर्माता ईथा को अगस्त, 2027 में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन आधिकारिक पुष्टि होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

‘लुक्खे’ वेब सीरीज में छाए पलक तिवारी और रैपर किंग

अभिनेत्री पलक तिवारी और मशहूर रैपर किंग ने हिंदी क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज लुक्खे के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। इस सीरीज में दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री की भी काफी चर्चा हो रही है। हाल ही में पलक तिवारी ने सोशल मीडिया पर किंग के लिए एक भावुक पोस्ट साझा किया। इंस्टाग्राम पर पलक ने किंग के साथ कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें दोनों अलग-अलग अंदाज में पोज देते नजर आए। पोस्ट में पलक ने किंग के प्रति अपने स्नेह और सम्मान को बेहद खास शब्दों में व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि दुनिया के लिए वह ‘एमसी बदनाम’ और ‘किंग’ हो सकते हैं, लेकिन उनके लिए वह हमेशा ‘अर्पण’ और बड़े भाई ‘वीरा’ रहेंगे। पलक ने कहा कि उनकी छोटी बहन होना उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशी है और वह हमेशा उनकी ‘सन्नो’ यानी ‘सनोबर’ बनी रहेंगी।

जैकी श्रॉफ की फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो का ट्रेलर जारी

29 मई को होगी रिलीज

श्रॉफ की फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोः एलियंस का आगमन का ऐलान फरवरी, 2026 में किया गया था। निर्माताओं ने इसका ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है, जबकि निर्माण जी स्टूडियोज और अहमदाबाद फिल्म्स के बैनर तले हुआ है। इसकी कहानी दादा और पोते के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें

क बच्चों की कल्पना और रोमांचक तत्व भी मौजूद हैं। फिल्म बच्चों का मनोरंजन करने का पूरा वादा करती है। ट्रेलर की शुरुआत जैकी के वॉयसओवर से होती है जो कहते हैं, मां कहती थीं, जब मौका मिले तो पीछे नहीं हटना। यहीं से पोते की कल्पनाओं की दुनिया जन्म लेती है, जो अपने दोस्तों को बताता है कि उसके दादाजी एक एलियन हैं। पोते की कल्पनाओं पर खरा उतरने के लिए जैकी भी झूठ के पुलिंदे बांधते हुए नजर आते हैं। फिल्म 29 मई को रिलीज होगी। इसमें प्रतीक बब्बर, दुर्गेश कुमार, भाग्यश्री और रघुवीर यादव जैसे सितारे हैं। जैकी श्रॉफ की प्रमुख भूमिका वाली ‘द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो एक कॉमेडी फिल्म है, जो मुख्यतः बच्चों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। ट्रेलर में दिखता है कि एक बच्चे अपने दादा जी को सुपरहीरो बताता है। वो अपने दोस्तों में अपने दादा जी की झूठी सुपरहीरो वाली कहानियां सुनाता रहता है। कभी समाज की रक्षा करने की, तो कभी एलियंस से दादा जी के लड़ाई लड़ने की। हालांकि, उसकी बातों पर उसके दोस्तों को शक होने लगता है, फिर वो दादा जी से अपने सामने कुछ सुपरहीरो वाला करने को कहते हैं। हालांकि, दादा जी असल में बुजुर्ग और कमजोर व्यक्ति हैं। क्या दादा जी वाकई बच्चों को कोई सुपरहीरो वाली शक्तियां दिखा पाते हैं और क्या वाकई में एलियन धरती पर आते हैं और दादा जी उनका सामना करते हैं? ये सब फिल्म देखने पर पता चलेगा। मनीष सैनी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमिताभ के वायरल वीडियो से लोग योग करने हो रहे प्रेरित

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें अभिनेता योग को अपने स्वस्थ और संतुलित जीवन का सबसे बड़ा आधार बताते नजर आ रहे हैं। आयुष मंत्रालय ने यह वीडियो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ मंत्रालय ने लिखा कि अमिताभ बच्चन की प्रेरणा लोगों को योग की ओर आकर्षित करेगी। पोस्ट में कहा गया कि जब इतनी बड़ी हस्ती खुद योग को अपने समृद्ध और बेहतर जीवन का राज बताती है, तो यह हर किसी को योग अपनाने के लिए प्रेरित करता है। मंत्रालय का मानना है कि सेलिब्रिटीज के जरिए योग का संदेश ज्यादा प्रभावी तरीके से आम लोगों तक पहुंच सकता है। वीडियो में अमिताभ बच्चन साफ शब्दों में कहते दिखाई देते हैं कि वह हर दिन योग करते हैं और योग ने उनके जीवन को बेहतर और समृद्ध बनाया है। उन्होंने कहा कि योग अपनाकर व्यक्ति अपनी जिंदगी को पूरी क्षमता के साथ जी सकता है। साथ ही अभिनेता ने यह भी सलाह दी कि योग हमेशा सही मार्गदर्शन और विशेषज्ञों की सलाह के साथ ही करना चाहिए, ताकि इसका पूरा लाभ मिल सके और किसी प्रकार की शारीरिक समस्या से बचा जा सके। मंत्रालय का यह कदम 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को और मजबूती देने वाला माना जा रहा है। आयुष मंत्रालय पहले भी कई योग गुरुओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रसिद्ध हस्तियों के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागरूक करता रहा है। मंत्रालय लगातार अलग-अलग योगासनों की जानकारी, उनके फायदे और सही तरीके से करने की विधि साझा कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकें। योग को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन का माध्यम भी माना जाता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, तनाव कम होता है और मानसिक शांति मिलती है। इसके अलावा अच्छी नींद, शरीर में ऊर्जा का संतुलन और जीवनशैली से जुड़ी कई समस्याओं में भी योग लाभकारी साबित होता है। आयुष मंत्रालय का कहना है कि योग हर आयु वर्ग के लोगों के लिए फायदेमंद है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी योग के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपना सकते हैं। मंत्रालय आने वाले दिनों में भी योग को लेकर जागरूकता अभियान जारी रखेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ सकें। मालूम हो कि विश्व योग दिवस के नजदीक आते ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार अभियान चला रहा है।

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक आउट, नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

म बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित पिछले कुछ समय से अपनी अपकमिंग फिल्म मां बहन को लेकर चर्चा में हैं. ये एक डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस फिल्म में एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी भी लीड रोल में नजर आएंगी. अब मदर्स डे को मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज मिला है. दरअसल, फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक सामने आ गया है. फिल्म मां बहन जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने वाली है. फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है. इस फिल्म में सोशल मीडिया स्टार धारणा दुर्गा भी अहम भूमिका निभा रही हैं. वहीं, दिग्गज एक्टर रवि किशन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. फिल्म मां बहन में माधुरी दीक्षित मां के किरदार में नजर आएंगी, वहीं धारणा और तृप्ति उनकी बेटियों का रोल प्ले करने वाली हैं. नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म मां बहन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें धारणा, तृप्ति और माधुरी की झलक दिख रही है. तृप्ति और धारणा फिल्म में उनकी मां बनी माधुरी के बारे में बात करते दिख रही हैं. मेकर्स ने लिखा, मां के बारे में तो अब क्या ही कहें. मां बहन, जल्द आ रही है, केवल नेटफ्लिक्स पर. इस फिल्म के निर्देशक सुरेश त्रिवेणी हैं, जिन्हें साल 2017 में आई विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु के लिए जाना जाता है. फिल्म मां बहन एक कंजर्वेटिव मोहल्ले में रहने वाली मां और उनकी दो बेटियों की कहानी है, जो अपने किचन में मिली एक लाश को छिपाने की कोशिश करती हैं. इस दौरान उनकी जिंदगी में कई मजेदार और चौंकाने वाले मोड़ आते हैं, जो कहानी को और दिलचस्प बना देते हैं.

इश्क दम और इडली रसम खाना परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानीः सुरभि चंदना

अ अभिनेत्री सुरभि चंदना अपनी नई वेब सीरीज इश्क दम और इडली रसम को लेकर उत्साहित हैं। खास बात है कि इस सीरीज को उन्होंने को-प्रोड्यूस भी किया है। अभिनेत्री ने अपकमिंग वेब सीरीज को परिवार, प्यार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली एक दिलकश कहानी बताया है। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित यह शो दर्शकों को एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट की भावुक कहानी के माध्यम से खाने की खुशबू, यादों और रिश्तों की गहराई दिखाएगा। शो की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस सीरीज के केंद्र में मीरा नायर हैं, जिनका किरदार शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा एक भावुक शेफ है, जो मानती है कि खाना सिर्फ खाना नहीं, बल्कि सेवा, सुकून और जिम्मेदारी है। अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभालते हुए वह रेस्टोरेंट को सिर्फ एक बिजनेस नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और मूल्यों का हिस्सा मानती है। कहानी आगे बढ़ती है और अभिषेक कुमार के निभाए किरदार अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जो एक शेफ और इन्वेस्टर हैं। जब वह मीरा के रेस्टोरेंट में आता है, तो मीरा की दुनिया हिल जाती है। अर्जुन रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का वादा करते हैं, लेकिन साथ ही मीरा की उन सारी चीजों को बदलने का खतरा भी पैदा करते हैं जो उनके दिल के सबसे करीब हैं। सुरभि ने इसे अपने करियर का नया अध्याय बताया और कहा कि वह आगे बढ़ते रहना चाहती हैं। सुरभि चंदना ने शो के बारे में बात करते हुए बताया, ‘इश्क दम और इडली रसम बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें दिल, अपनापन और सादगी भरपूर है। शुरुआत से ही मुझे इस प्रोजेक्ट से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। कैमरे के पीछे क्रिएटिव जर्नी का हिस्सा बनना और कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ना मेरे लिए बेहद खूबसूरत अनुभव रहा है। यह शो प्यार, परिवार, भावनाओं और संस्कृति का ताजगी भरे अंदाज में जश्न मनाता है। वहीं, अभिषेक कुमार ने अपने किरदार अर्जुन ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा, यह कोई आम लव स्टोरी या टिपिकल शेफ ड्रामा नहीं है। यहां खाना लोगों की भावनाओं, नियंत्रण और अतीत को समझने का जरिया है। अर्जुन उन सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। यह किरदार गंभीर, नियंत्रित और भावनाओं को छुपाने वाला है। इस शो के जरिए मुझे एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला है। शो में शाइनी दोशी, अभिषेक कुमार के अलावा नेहा लक्ष्मी अय्यर, अमन सिंह, प्रेरणा सहगल, विजया लक्ष्मी गुरव और करण खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित और फील गुड स्टूडियोज की सुरभि चंदना द्वारा एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया गया ‘इश्क दम और इडली रसम 11 मई को यूट्यूब पर स्ट्रीम होगी।

कान्स 2026 : प्रिंसेस अवतार में आलिया भट्ट ने लूटी ली महफिल, रेड कार्पेट पर गाउन में बिखेरा जलवा

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 से बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का नया लुक सामने आ गया है. इस बार उन्होंने लाइट ब्लू कलर का बेहद खूबसूरत गाउन पहना, जिसमें उनका अंदाज किसी प्रिंसेस से कम नहीं लग रहा. सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और एलिगेंट स्टाइलिंग के साथ आलिया ने अपने लुक से हर किसी का ध्यान खींच लिया. फैंस भी उनके इस रॉयल अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं. आलिया भट्ट 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर दूसरी बार उतरीं और इस बार भी उन्होंने अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया. आलिया एक बार फिर अपने एलिगेंट लुक और स्टाइलिश प्रेजेंस को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. इस बार आलिया भट्ट कान्स 2026 के रेड कार्पेट पर लाइट ब्लू कलर का ऑफ शोल्डर कलर का गाउन पहनकर पहुंचीं, जो बेहद सॉफ्ट और रॉयल वाइब दे रहा है. आलिया के इस गाउन की खास बात इसका फिटेड अपर पोर्शन और नीचे की तरफ फैला हुआ नेट फैब्रिक है,

जो लुक को प्रिंसेस जैसा टच दे रहा है. आलिया भट्ट ने सॉफ्ट और नैचुरल ग्लैम लुक कैरी किया है. ड्यूई बेस, न्यूड आई मेकअप, हल्का काजल-मस्कारा और न्यूड पिंक लिप्स ने उनके लुक को बेहद एलिगेंट बनाया. आलिया ने बालों को स्लीक और क्लीन सॉफ्ट अपडू में स्टाइल किया है. फ्रंट से हल्की-सी स्ट्रैंड्स फेस को फ्रेम कर रही है, जिससे लुक और भी एलीगेंट और रेड कार्पेट रेडी लग रहा था. ज्वैलरी की बात करें तो आलिया भट्ट ने गले में एक डेलिकेट चोकर नेकपीस पहना गया, जो आउटफिट के साथ परफेक्ट ब्लेंड कर रहा था. ईयररिंग्स मिनिमल हैं, जिससे पूरा फोकस नेकलाइन और ड्रेस पर बना रहा. रेड कार्पेट पर कैमरों के सामने पोज देते हुए आलिया भट्ट का कॉन्फिडेंस और ग्रेस साफ नजर आया. आलिया का ये रॉयल अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है. उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज दिए. हर तस्वीर में उनकी अदाएं देखने लायक हैं

'No order without hearing us': Hindu party files caveat in SC after HC Bhojshala verdict

New Delhi, Agency: Two caveat pleas were moved in the Supreme Court on Friday, hours after the Madhya Pradesh high court declared the disputed Bhojshala-Kamal Maula complex in Dhar as a temple of Goddess Vagdevi (Saraswati). The plea was filed anticipating a possible challenge to the verdict by the Muslim side.

A caveat plea is generally filed as a precautionary legal notice by anyone who anticipates that someone else may move court against them. It acts as a legal safeguard, ensuring that the court hears the caveator before passing any order or granting relief in the matter.

The first caveat petition was filed by Hindu-side litigant Jitendra Singh Vishen, who is also a petitioner before the Madhya Pradesh high court in the Bhojshala dispute. The plea sought a direction that no order be passed by the apex court without hearing him if the verdict is challenged.

Subsequently, another caveat plea was filed by the main Hindu-side petitioner through advocate Vishnu Shankar Jain, seeking similar protection before any proceedings are undertaken in the Supreme Court.

The caveat petitions came shortly after the Indore bench of the Madhya Pradesh high court held that the religious character of the disputed monument was that of Bhojshala, a temple dedicated to Goddess Saraswati.

US to drop Gautam Adani bribery case; Opposition accuses PM Modi of bargaining relief deal

New Delhi, Agency: Billionaire Gautam Adani is nearing a sweeping resolution of multiple US legal investigations, with the Securities and Exchange Commission settling its civil case and the Department of Justice and Treasury Department expected to conclude parallel investigations in the coming days, according to people familiar with the matter.

The SEC on Thursday settled civil allegations against Adani and his nephew Sagar Adani tied to disclosures made to investors in connection with solar energy projects in India. Court filings showed Gautam Adani agreed to pay USD 6 million and Sagar Adani USD 12 million, without admitting or denying wrongdoing.

The developments drew criticism from the Opposition in India as Congress leader Rahul Gandhi on Friday accused Prime Minister Narendra Modi of signing a trade deal with the US only to secure the "release" of Gautam Adani. "Compromised PM did not strike a trade deal, but a bargain for Adani's release," Rahul said in a post in Hindi on X, after reports that the US had agreed to settle the lawsuit that accused Adani of hiding alleged bribery. The Adani Group has consistently denied wrongdoing and maintained that it follows strong governance and compliance standards.

The proposed settlements mark a dramatic turn in a case that had threatened to disrupt the global expansion plans of the Adani Group. The SEC and DOJ cases, filed in late 2024, alleged the Adanis orchestrated a USD 265 million bribery scheme involving Indian officials to secure solar power contracts and concealed the arrangement from US investors and lenders while raising capital. People familiar with the matter said the DOJ is preparing to dismiss criminal charges against the two men after months of engagement between prosecutors and an expanded legal team led by Robert J Giuffra Jr, a senior partner at Sullivan & Cromwell and one of US President Donald Trump's personal lawyers.

BJP: Smallest fuel hike among major economies since Iran war

New Delhi, Agency: BJP on Friday pushed back at criticism over rise in fuel prices, saying India had effected the smallest increase among major economies and managed to shield consumers from global volatility since the West Asia conflict broke out before rolling out a calibrated hike.

"This matters because fuel prices do not remain confined to petrol pumps. They affect transport costs, food inflation, manufacturing, logistics and household budgets. Containing fuel volatility is also about containing inflation," BJP said, suggesting that the relatively small increase will not seriously impact inflation.

The 3.2% increase in petrol price and 3.4% rise in diesel rate came even as major economies saw jump in fuel prices, BJP's Amit Malviya said. The rise in petrol price was 44.5%, 9.7% and 19.2% in the US, Japan and the UK respectively, he said, listing the higher rise in other nations as well.

Covid-19 death toll nearly three times higher than official count: WHO

New Delhi, Agency: The Covid-19 pandemic caused an estimated 22.1 million excess deaths globally between 2020 and 2023, nearly three times higher than the seven million Covid deaths officially reported worldwide, according to the World Health Statistics 2026 report released by the World Health Organization (WHO).WHO said the pandemic wiped out nearly a decade of gains in global life expectancy and healthy life expectancy by 2021, describing it as a "setback of historic proportions" for global health systems. According to the report, global life expectancy fell by 1.8 years between 2019 and 2021, while healthy life expectancy dropped by 1.5 years during the same period, marking the

BJP stages protest outside Omar's residence for liquor prohibition in Kashmir

Srinagar, Agency: BJP Friday staged a protest outside J&K CM Omar Abdullah's residence, demanding prohibition of liquor in Kashmir Valley.

The party said it would launch protests from Qazigund town in south Kashmir to Karnah area on Line of Control in north Kashmir in the second phase of protests in near future if the National Conference govt failed to act.

"BJP is against all kinds of drugs and alcohol consumption. The NC govt wants to push J&K's youth toward alcohol consumption," BJP's Altaf Thakur told reporters outside the CM's residence. "The way NC functionaries are making statements in support of liquor sale and consumption is not acceptable. Kashmir is the land of sages and we will not allow liquor shops in this land," he said. BJP's general secretary Anwar Khan, who also participated in the protest, said if the CM and NC president Farooq Abdullah were concerned about revenue generated through liquor sales, BJP workers would "sit outside mosques and beg for money" for the ruling party, but would not allow anyone to "play with the future of the youth".

Many BJP workers also questioned LG Manoj Sinha's 100-day drive against drugs, wondering why liquor sale is not included in it. The police, however, swiftly acted against protesters and pushed them away from the CM's residence.

ED arrests 'masterminds' in Mahesh Yogi land fraud case

New Delhi, Agency: The Enforcement Directorate (ED) on Friday arrested two alleged masterminds for fraudulently selling properties associated with trusts linked to late spiritual guru Mahesh Yogi in a multi-crore land grab case. The accused, G Ram Chandra Mohan and Akash Malviya, had forged land deeds of Spiritual Regeneration Movement Foundation (SRMF) and sold them fraudulently. The arrests were made following extensive searches conducted on May 14 and 15 in MP, UP and Chhattisgarh. The ED has also issued a freezing order against the bank accounts and movable assets of Singhvahini Infra Projects Pvt Ltd and its directors for their alleged complicity in the fraud.

"Investigation has revealed that the accused purporting to be authorised office bearers of the original SRMF, used forged powers of attorney, fabricated board resolutions, and counterfeited authorisation letters to unlawfully sell prime trust properties valued at hundreds of crores of rupees," ED said.

SC quashes Sengar's bail asks HC for fresh hearing

New Delhi, Agency: Supreme Court on Friday set aside Delhi high court order which suspended the jail sentence and granted bail to former BJP MLA Kuldip Singh Sengar, convicted of raping an alleged minor in Unnao in Uttar Pradesh, and asked HC to hear the politician's bail plea afresh during pendency of his appeal against conviction.

Sengar's counsel, senior advocate N Hariharan, told a bench of CJI Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi that his client had already spent 10 years behind bars and that multiple medical reports had estimated the age of the alleged rape survivor to be over 18 years to repudiate the prosecution's claim that she was a minor. Solicitor general Tushar Mehta, appearing for CBI which has appealed against grant of bail by high court, said the MLA was a habitual offender and was in a "dominant position" to be rightly convicted by the trial court for aggravated form of sexual assault under Protection of Children from Sexual Offences (Pocso) Act.

He said since the sentence was till the end of his biological life, HC could not have suspended the sentence. The bench said since both Hariharan and Mehta were arguing that HC did not consider certain aspects of the case against Sengar prior to suspending the sentence, it would be better if HC heard arguments afresh from the accused and the prosecution before taking a decision on the plea for suspension of sentence during pendency of his appeal against conviction.

Rajnath, CM Naidu lay stone for AMCA project in Andhra, minister calls it 'history chapter in defence history'; 8 cos to set up 'Drone City' in Kurnool

New Delhi, Agency: In a big boost for the country's stealth aircraft programme, defence minister Rajnath Singh and Andhra Pradesh CM N Chandrababu Naidu on Friday laid the foundation stone for the core integration and flight testing centre at Puttaparthi in Sri Sathya Sai district of the state to fast-track the development of 5th-generation Advanced Medium Combat Aircraft (AMCA) and other future indigenous platforms.

While the total outlay for the AMCA project is around Rs 15,000 crore, the facility is being established at a cost of Rs 2,000 crore. "Puttaparthi is set to join the exclusive league of global destinations from which a fifth-generation aircraft will take to the skies. It will become the birthplace of an aircraft capable of annihilating the enemy in the blink of an eye," Rajnath said, calling the stone-laying ceremony as the "historic chapter in India's defence history".

In another big development, a consortium of eight drone companies have joined forces to establish a Drone City in Kurnool. The defence minister said this region will soon be recognised as the 'Drone Hub' of the country.Rajnath and Naidu also laid the foundation stone for the naval systems manufacturing facility, a Rs 480-crore project of Bharat Dynamics Limited (BDL), at T Sirasapalli village in Anakapalli district to cater to the requirements of advanced underwater weapon and naval combat systems. A defence energetics facility of Agneyastra Energetics Ltd, a subsidiary of Bharat Forge, is also being set up with an investment of Rs 1,500 crore, the defence ministry said.

Various companies also exchanged MoUs with the Andhra govt to establish defence units in the state. An ammunition and electric fuse plant of HFCL Limited is also being established with an investment of around Rs 1,200 crore.

Addressing a gathering at the event, Rajnath described the commencement of the projects as "truly historic", asserting that Aatmanirbharta in defence manufacturing is a critical imperative to safeguard national interests in the current era of global turbulence. "These projects will cater to all the branches of the defence forces. Our objective is crystal clear: We are advancing with the resolute goal of achieving self-reliance in the defence sector, ensuring that the three services are future-ready.